क्रिकेट की जीवन रेखा
अगस्त 2024

क्रिकेट टुडे

डायमंड

www.crictoday.com

भारतीय टीम को पाकिस्तान में खेलने क्यों नहीं जाना चाहिए?

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

www.forcenxt.com

FORCE NXT

WET & WILD

For business enquiry mail customercare@forcenxt.com

Buy online : flipkart.com Myntra amazon snapdeal.com ebay paytm SHOPCLUES.com www.shopnxt.in

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

आपके कार इंजन का सुरक्षा कवच

सर्वो® फ्यूचुरा-जी+

2% इंधन की बचत*

- पेट्रोल और डीजल कार/एसयूवी के लिए सिंथेटिक इंजन ऑयल
- सिलेंडर लाइनर और कैम को घिसाई से सुरक्षा दे
- SAE 5W-30, API SN एवं ACEA A5/B5 मानकों के अनुरूप

IndianOil SERVO®
WORLD-CLASS LUBRICANTS

*M111 फ्यूल इकोनॉमी टेस्ट के अनुसार

facebook.com/IndianOilCorpLimited | twitter.com/IndianOilcl | www.servo.in

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

टीम इंडिया को नहीं जाना चाहिए पाकिस्तान!

टीम इंडिया, अगले साल रोहित शर्मा की कप्तानी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफ़ी खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी या नहीं, इसी बात को लेकर घमासान मचा हुआ है. भारत के अलावा, बाकी सभी देशों ने पाकिस्तान जाकर चैंपियंस ट्रॉफ़ी में भाग लेने के लिए हामी भर दी है, लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते भारत का पाकिस्तान दौरा नामुकिन ही नज़र आ रहा है. सूत्रों के मुताबिक़, BCCI ने ICC से चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए हाइब्रिड मॉडल लागू करने का अनुरोध किया है, जिससे कि मैन इन ब्लू अपने मुक़ाबले श्रीलंका या दुबई में खेल सके. अब ऐसे में कई सवाल उठ रहे हैं, उन्हीं में से एक प्रश्न यह है कि क्यों भारतीय टीम को पाकिस्तान में खेलने नहीं जाना चाहिए? क्रिकटुडे के इस अंक में टॉप-5 कारणों के साथ इस मामले पर प्रकाश डाला गया है...

क्रिकेट टुडे

प्रधान संपादक
मनीष वर्मा

उप संपादक
शादाब अली

समाचार संपादक
अंकुर वर्मा

ग्राफिक डिजाइनर
विकास सिंह

प्रोडक्शन कोऑर्डिनेटर
सुनील चौधरी

फोटो
ए.पी, फोटोकॉर्प, राजकुमार,

व्यापारिक कार्यालय

डायमंड मैगजीन प्राइवेट लिमिटेड
एक्स-30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली
टेलीफोन 011-40712100, फैक्स (011) 41611866

विज्ञापन कार्यालय

● दिल्ली ● मुंबई ● कोलकाता ● बैंगलूर
● नागपुर ● चेन्नई ● हैदराबाद ● अहमदाबाद
● पंजाब ● पुणे ● देहरादून ● रांची ● पटना
● भोपाल ● जयपुर ● कानपुर ● गौहाटी
● भुवनेश्वर

आपकी राय
क्रिकेटटुडे में प्रकाशित किसी भी विषयवस्तु के बारे में यदि आपकी कोई राय है, तो हमें info@Crictoday.com पर लिखें

उत्पाद समीक्षा
चाहते हैं कि आपके क्रिकेट उपकरणों की क्रिकेट टुडे द्वारा समीक्षा की जाए, तो हमें chandni@dpb.in पर ईमेल लिखें.

समाचार और नए उत्पाद लॉन्च
नए क्रिकेट उपकरणों के लॉन्च और प्रेस विज्ञप्तियों की घोषणा करने के लिए, हमें asim@dpb.in पर ईमेल लिखें.

विज्ञापन
क्रिकेट टुडे में अपने ब्रांड का विज्ञापन देने में दिलचस्पी रखते हैं, तो हमें asim@dpb.in पर ईमेल लिखिए.

करियर
क्रिकेट टुडे के लिए काम करना चाहते हैं? तो अपने आर्टिकल और रिज्यूमे asim@dpb.in पर भेजें.

कुल पृष्ठ - 69 (कवर के साथ)

कॉपीराइट 2024 "क्रिकेट टुडे" एक पंजीकृत ट्रेडमार्क है। इस प्रकाशन के किसी भी भाग को पूर्व अनुमति के बिना पुन: प्रस्तुत, या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से प्रसारित नहीं किया जा सकता है।

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

11 आमुख कथा
राहुल द्रविड़ की कोचिंग के 5 यादगार लम्हे

15
भारत की T20I टीम में कौन ले सकते हैं रोहित, कोहली और जडेजा की जगह?

23
हार्दिक का 'हार्ड लक' – पहले हुआ तलाक, पत्नी ने बेटे से भी किया जुदा, ना बने टीम इंडिया के कप्तान – ना उपकप्तान

27
क्या ईशान किशन के अंतर्राष्ट्रीय करियर पर यशस्वी-अभिषेक ने लगा दिया है ग्रहण?

31
बर्नले में एक सड़क को जेम्स एंडरसन का नाम देने जैसी मिसाल क्रिकेट में ज्यादा नहीं हैं – टॉप 5 की चर्चा

जानिए कैसे एक वेटर की टिप्स ने सुधारी थी सचिन की बैटिंग, दिलचस्प है क्रिकेट का ये क़िस्सा 39

भारत के 'सुधीर' से लेकर पाकिस्तान के 'चाचा क्रिकेट' तक, ये हैं वर्ल्ड क्रिकेट के 6 सुपरफ़ैंस.....47

जिस पंजाबी सिंगर हार्डी संधू के गानों पर सब झूमते हैं, विश्वास कीजिए वे टीम इंडिया के लिए क्रिकेट खेल चुके हैं.....51

क्रिकेट की 6 तकनीक, जिनका नहीं होता किसी और खेल में इस्तेमाल.....63

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने शानदार शतक जड़ा. उन्होंने 122 रनों की पारी खेली. रूट का लाल गेंद वाले क्रिकेट में यह 32 वां शतक था.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मुकाबलों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच ट्रेंट ब्रिज में खेला गया, जिसमें अंग्रेजों ने मेहमानों को 241 रनों से हराकर 2-0 की निर्णायक बढ़त हासिल कर ली. मेजबानों ने पहला मैच 114 रनों से जीता था.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

गौतम गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ उन्हीं की सरज़मी पर सीमित ओवरों की सीरीज खेलने में व्यस्त है. पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज पहली बार किसी राष्ट्रीय टीम के हेड कोच बने हैं.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

मनीष

राहुल द्रविड़ की कोचिंग के 5 यादगार लम्हे

भारत को कई टेस्ट मैचों में ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले इस नायक के पैर संन्यास के बाद भी नहीं रुके और साल 2016 में `इंडिया अंडर-19' और `इंडिया ए' टीमों के हेड कोच बने.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

राहुल द्रविड़! क्रिकेट की दुनिया में ये नाम 'द वॉल' के नाम से मशहूर है. 90 के दशक का शायद ही कोई गेंदबाज़ ऐसा रहा होगा, जिसे राहुल द्रविड़ (Rahul Dravid) ने परेशान न किया हो. क्रीज़ पर कदम रखते ही वो गेंदबाज़ को तब तक दौड़ाते थे, जब तक वो हार न मान ले. द्रविड़ दुनिया के उन चंद क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने साल 2004 में पाकिस्तान के ख़िलाफ़ टेस्ट मैच में 12 घंटों तक बल्लेबाज़ी की थी. राहुल द्राविड़ का एक ही सपना था 'वर्ल्ड चैंपियन टीम' का हिस्सा बनना, लेकिन बतौर क्रिकेटर उनका ये सपना, सपना ही रह गया. साल 2003 का वर्ल्ड कप फ़ाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था. फ़ाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को बुरी तरह धो दिया. राहुल द्रविड़ इस टीम का हिस्सा थे. इसके बाद वो साल 2007 के वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के कप्तान थे. लेकिन उनकी कप्तानी में 'टीम इंडिया' ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी. इसके कुछ सालों बाद ही उन्होंने क्रिकेट से संन्यास ले लिया. भारत को कई टेस्ट मैचों में ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले इस नायक के पैर संन्यास के बाद भी नहीं रुके और साल 2016 में 'इंडिया अंडर-19' और 'इंडिया ए' टीमों के हेड कोच बने. 3 साल तक जूनियर लेवल पर प्रतिभाओं को निखारने के बाद, उन्हें नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के डायरेक्टर के तौर पर नियुक्त किया गया.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

साल 2021 में 'टी20 वर्ल्ड कप' में टीम इंडिया के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया था. तब उनका कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ़ 2 साल के लिए था, जो 2023 के 'वर्ल्ड कप' के बाद खत्म हो गया था. इस दौरान भारतीय टीम आईसीसी इवेंट तो नहीं जीत पाई, लेकिन कई वजहों से राहुल द्रविड़ की कोचिंग सभी को पसंद आई. इसके बाद उनका कार्यकाल '2024 टी20 वर्ल्ड कप' तक के लिए बढ़ा दिया गया.

चलिए जानते हैं बतौर कोच राहुल द्रविड़ की वजह से भारतीय क्रिकेट फ़ैंस को किन-किन मौकों पर खुश होने का मौक़ा मिला था-

1 - हमेशा खुद लेते थे हार की ज़िम्मेदारी

राहुल द्रविड़ की कोचिंग की खासियत रही है कि वो टीम की जीत के बाद हमेशा बैकसीट पर नज़र आते थे, वहीं टीम की हार की ज़िम्मेदारी खुद लेते थे. साल 2022 के 'टी20 वर्ल्ड कप सेमीफ़ाइनल' और 2023 के 'वनडे वर्ल्ड कप फ़ाइनल' में टीम की हार के बाद राहुल द्रविड़ खुद प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए थे. इस दौरान उन्होंने खुद ही हार की ज़िम्मेदारी ली थी. वहीं 'टी20 वर्ल्ड कप' जीतने के बाद उन्होंने रोहित शर्मा को प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए भेज दिया था. यहां तक कि 'वर्ल्ड चैंपियन' बनने के कई घंटे बाद उन्होंने विराट कोहली के कहने पर ट्रॉफ़ी हाथों में ली थी.

2 - फॉर्म से जूझ रहे 'विराट' की मदद की

इंटरनेशनल क्रिकेट में सचिन, पोंटिंग, संगकारा, कैलिस समेत कई बड़े दिग्गजों का रिकॉर्ड तोड़ने वाले विराट कोहली 2020 से लेकर 2022 तक बेहद ख़राब फॉर्म से जूझ रहे थे. ख़राब फॉर्म की वजह से उन्हें अपनी कप्तानी तक गंवानी पड़ी. ऐसे में उन्हें टीम से बाहर करने की बात तक होने लगी थी. इस दौरान कोच राहुल द्रविड़ ने विराट की क़ाबिलियत पर भरोसा दिखाया और उन्हें लगातार मौके दिए. विराट की बल्लेबाज़ी तकनीक में भी सुधार लाने पर काम किया. इसके बाद विराट ने टी20 क्रिकेट में शतक

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

लगाकर 'विराट 2.0' की शुरुआत की.

3 - द्रविड़ की वजह से भारत को मिला 'शुभमन' जैसा बल्लेबाज़

भारतीय क्रिकेट के प्रिंस कहें जाने वाले शुभमन गिल, राहुल द्रविड़ की ही खोज हैं. शुभमन 'अंडर 19 क्रिकेट' से ही द्रविड़ की कोचिंग में रहे हैं. टीम से अंदर-बार हो रहे शुभमन को द्रविड़ ने ही वनडे में लगातार ओपनिंग का मौका दिया. टी20 में फेल होने के बाद भी उन पर भरोसा जताया और अंत में उस पर खड़े उतरे. द्रविड़ ने जाते-जाते टेस्ट में गिल को नंबर तीन की भूमिका भी दे दी. आज विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद शुभमन गिल ही भारतीय बल्लेबाज़ी की रीढ़ हैं.

4 - भारत को तीनों फॉर्मेट में बनाया नंबर 1

राहुल द्रविड़ की कोचिंग में भारतीय टीम तीनों फॉर्मेट में एक साथ दुनिया की नंबर 1 टीम बनी थी. भारत के अलावा सिर्फ साउथ अफ्रीका ही एकमात्र ऐसी टीम है जो ये कारनामा कर पाई है. अपने कोचिंग करियर के दौरान टेस्ट और वनडे क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़ ने तीनों फॉर्मेट को बराबर महत्वता दी. राहुल द्रविड़ की कोचिंग में भारत ने अधिकतर मैच जीते हैं. वो भारत के इकलौते कोच हैं जिनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने वनडे में दो बार 300+ रनों से जीत हासिल की है.

5 - भारत को 11 साल बाद बनाया 'वर्ल्ड चैंपियन'

भारत पिछले 11 सालों से कोई भी ICC ख़िताब जीत नहीं पाया था, लेकिन राहुल द्रविड़ की कोचिंग ने भारत को एक बार फिर से 'वर्ल्ड चैंपियन' बना दिया है. द्रविड़ उन बदनसीब क्रिकेटरों में शुमार हैं जो अपने क्रिकेट करियर में कभी 'वर्ल्ड कप' विजेता टीम का हिस्सा नहीं बन पाए. लेकिन देर ही सही उन्होंने अपनी कोचिंग में भारत को क्रिकेट के उस फॉर्मेट का चैंपियन बनाया जिसके लिए वो खुद बने ही नहीं थे. दरअसल द्रविड़ को अक्सर टेस्ट प्लेयर कहा जाता रहा है, जो अपनी धीमी लेकिन मज़बूत बल्लेबाज़ी के लिए जाने जाते थे. इसीलिए उनका नाम 'द वॉल' और 'मिस्टर डिफेंडेबल' पड़ा. ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

अंकित

भारत की T20I टीम में कौन ले सकते हैं रोहित, कोहली और जडेजा की जगह?

भारतीय टीम के लिए पिछले करीब 15 सालों से टी20 फॉर्मेट में रीढ़ का काम कर रहे 3 दिग्गजों ने एक ही झटके में संन्यास ले लिया।

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के खिताब को जीतकर पूरे देशवासियों को एक बड़ी सौगात दी है। टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में खेले गए टी20 के इस सबसे बड़े महाकुंभ को जीतकर दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के चैंपियन बने। मैन इन ब्ल्यू ने इस टाइटल को जीतकर हर एक क्रिकेट फैन के सीने को गर्व से चौड़ा कर दिया, लेकिन इसके अगले ही पल जीत का ये जश्न तब फिका हो गया, जब एक के बाद एक भारत की इस चैंपियन टीम के 3 बड़े खिलाड़ियों ने टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह दिया।

टी20 वर्ल्ड कप को जीतकर रोहित, विराट और जडेजा ने लिया टी20 से संन्यास

पहले तो विराट ने मैच के खत्म होने के ठीक बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया, जिसके कुछ देर के बाद वर्ल्ड चैंपियन कप्तान रोहित ने भी टी20 इंटरनेशनल नहीं खेलने का फैसला कर लिया और इसके अगले दिन स्टार ऑलराउंडर जडेजा ने भी इस फॉर्मेट के इंटरनेशनल लेवल से विदा ले लिया। भारतीय टीम के लिए पिछले करीब 15 सालों से टी20 फॉर्मेट में रीढ़ का काम कर रहे 3 दिग्गजों ने एक ही झटके में संन्यास ले लिया। भारतीय टीम के लिए टी20 इंटरनेशनल में इन दिग्गजों के एक साथ जाने के बाद बड़ा खालीपन आ जाएगा। जहां सालों से अपने दमदार प्रदर्शन से टीम के लिए सबसे बड़े मैच विनर रहे इस तिकड़ी की जगह भरना आसान नहीं होगा, लेकिन फिर भी भारतीय टीम को अब आने वाले टी20 फॉर्मेट के सफर के लिए रोहित, विराट और जडेजा के सटीक रिप्लेसमेंट की जरूरत होगी। तो चलिए आपको इस आर्टिकल में बताते हैं टीम इंडिया की इस तिकड़ी की कौन ले सकता है जगह?

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान रोहित शर्मा भारतीय क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल का अनुभव रखते हैं। हिटमैन ने साल 2007 में डेब्यू किया और इसके बाद वो 17 साल तक खेलते रहे। इस दौरान उन्होंने ना जाने कितने ही कीर्तिमानों को अपने नाम किया। रोहित शर्मा के योगदान के आगे कोई नहीं ठहरता है। ऐसे में इस स्टार बल्लेबाज की जगह को भरना तो कतई आसान नहीं होगा, लेकिन अब उनकी जगह पर कोई ना कोई तो चाहिए। ऐसे में रोहित शर्मा के स्थान पर सबसे दावेदार की बात करें तो इसमें शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा जैसे बल्लेबाजों को माना जा सकता है। लेकिन जो बात अब तक युवा टैलेंट यशस्वी जायसवाल ने दिखायी है, वो सबसे सही रिप्लेसमेंट माने जा सकते हैं। जायसवाल ने अब तक अपने टी20 इंटरनेशनल करियर में 20 मैच की 19 पारियों में करीब 38 की औसत और 162.8 की खतरनाक स्ट्राइक रेट से 643 रन बना चुके हैं। इस दौरान वो 1 शतक के साथ 5 अर्धशतक अपने नाम कर चुके हैं। यशस्वी जायसवाल को रोहित की जगह देखा जा सकता है।

विराट कोहली

विश्व क्रिकेट में पिछले करीब डेढ़ दशक के बल्लेबाजों के किंग रहे विराट कोहली का कद अपने अलग ही मुकाम पर पहुंच गया है। कोहली अपने नाम की तरह क्रिकेट जगत में एक विराट स्थान ले चुके हैं। रन मशीन के रूप में पहचान बना चुके इस दिग्गज बल्लेबाज ने अपने इंटरनेशनल करियर के तीनों ही फॉर्मेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है, जिसमें उनका टी20 इंटरनेशनल में भी खूब जलवा रहा। किंग कोहली के नाम टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे प्रभावशाली रिकॉर्ड भी है और वो इस फॉर्मेट के सबसे बड़े मैच विनर भी रहे हैं। उनका जैसा कारनामा करना किसी और के लिए

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

दुनिया जीतने से कम नहीं होगा। लेकिन अब कोहली के संन्यास के बाद उनकी जगह लेना वाला कोई ना कोई तो चाहिए, ऐसे में जब उनके स्थान को लेने वाले फेवरेट्स की बात करें तो इसमें भारतीय क्रिकेट में केएल राहुल, शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड़ जैसे कुछ नाम निकलकर सामने आते हैं। इनमें से प्रबल दावेदार की बात करें तो ऋतुराज गायकवाड़ विराट कोहली के नंबर-3 के स्थान को ले सकते हैं। इस बल्लेबाज ने अब तक टीम इंडिया के लिए खेले 23 मैच की 20 पारी में करीब 40 की औसत के साथ 143.5 की स्ट्राइक रेट से 633 रन बनाए हैं। गायकवाड़ ने 1 शतक और 4 फिफ्टी लगाई है। उन्हें फेवरेट माना जा सकता है।

रविन्द्र जडेजा

टीम इंडिया के दिग्गज ऑलराउंडर खिलाड़ी रवींद्र जडेजा सालों से अपने बहुमूल्य योगदान को दे रहे हैं। रवींद्र जडेजा विश्व क्रिकेट के मौजूदा समय में सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर की सूची में शामिल होते हैं। इनके पास ना सिर्फ बल्लेबाजी और गेंदबाजी बल्कि फील्डिंग की भी जबरदस्त स्किल्स हैं, ऐसे में वो एक 3डी प्लेयर की भूमिका अदा करते हैं। अब जडेजा ने तो टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है, ऐसे में उनके रिप्लेसमेंट की जरूर होगी। जडेजा का रिप्लेसमेंट तो उनके टीम में होने के दौरान ही पूरी तरह से तैयार होता जा रहा है, वो हैं अक्षर पटेल। वैसे तो एक स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर की बात करें तो इसमें अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर और शाहबाज अहमद जैसे खिलाड़ी रेस में हैं, लेकिन अक्षर इस रेस में काफी आगे माने जा रहे हैं। भारत के लिए वर्ल्ड कप की जीत में अक्षर पटेल सबसे बड़े हीरो बनकर सामने आए थे। उन्होंने वर्ल्ड कप में 92 रन बनाने के साथ ही 9 विकेट भी झटके। अक्षर ने फाइनल मैच में एक अहम पारी खेली थी। वहीं उनके पूरे करियर पर नजर डाले तो 60 मैच में उन्होंने 453 रन बनाए और 58 विकेट झटके हैं। ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

शादाब

ICC CHAMPIONS TROPHY 2025: 5 कारण, क्यों भारतीय टीम को पाकिस्तान में खेलने नहीं जाना चाहिए?

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

भारत को छोड़ बाकी सभी देशों ने पाकिस्तान जाकर 'चैंपियंस ट्रॉफ़ी' में भाग लेने के लिए हामी भर दी है, लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते भारत का पाकिस्तान दौरा नामुकिन ही नज़र आ रहा है.

भारत अगले साल रोहित शर्मा की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफ़ी खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी या नहीं, इसी बात को लेकर घमासान मचा हुआ है. भारत को छोड़ बाकी सभी देशों ने पाकिस्तान जाकर 'चैंपियंस ट्रॉफ़ी' में भाग लेने के लिए हामी भर दी है, लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते भारत का पाकिस्तान दौरा नामुकिन ही नज़र आ रहा है. सूत्रों के मुताबिक़, बीसीसीआई ने आईसीसी से 'चैंपियंस ट्रॉफ़ी' के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' लागू करने का अनुरोध किया है, ताकि 'टीम इंडिया' अपने मुक़ाबले श्रीलंका या दुबई में खेल सके. जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक़, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने 'चैंपियंस ट्रॉफ़ी 2025' को पूरी तरह से अपने देश में आयोजन करने की बात कही है. वो बिल्कुल भी 'हाइब्रिड मॉडल' के पक्ष में नहीं है. अगर भारतीय टीम 'चैंपियंस ट्रॉफ़ी' खेलने पाकिस्तान जाती है तो उसके सभी मैच एक वेन्यू लाहोर में कराए जाएंगे. पीसीबी ने कथित तौर पर धमकी भी दी है कि "अगर भारतीय टीम 'चैंपियंस ट्रॉफ़ी' खेलने पाकिस्तान आने से इनकार करती है, तो वो साल 2026 में होने वाले 'टी20 वर्ल्ड कप' में हिस्सा नहीं लेंगे, जो भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेज़बानी में होना है".

16 सालों से पाकिस्तान नहीं गई टीम इंडिया

राजनीतिक रिश्तों और सुरक्षा कारणों के चलते भारतीय क्रिकेट टीम ने 2008 के 'एशिया कप' के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है. साल 2008 के 'मुंबई हमलों' के बाद दोनों देशों के बीच होने वाली सभी 'बाइलेट्रल सीरीज़' भी कैंसिल कर दी गई थी. तब से दोनों देश केवल ICC

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

टूर्नामेंट्स या न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित 'एशिया कप' मुक़ाबलों में आमने-सामने रहे हैं. इतने सालों में पाकिस्तानी टीम पिछले साल 'वनडे वर्ल्ड कप' खेलने भारत आई थी.

चलिए जानते हैं वो कौन-कौन से 5 कारण हैं, जिनकी वजह से भारतीय टीम को 'चैंपियंस ट्रॉफ़ी 2025' खेलने पाकिस्तान नहीं जाना चाहिए?

1 - भारतीय खिलाड़ियों की सुरक्षा

साल 2009 में पाकिस्तान में श्रीलंकाई टीम पर आतंकी हमला हो हुआ था. इस हमले में कई श्रीलंकाई खिलाड़ी गोली लगने से घायल भी हुए थे. हालांकि, पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड, वेस्ट इंडीज़, बांग्लादेश और श्रीलंका समेत अन्य टीमें क्रिकेट खेलने पाकिस्तान जा चुकी हैं. वहीं भारतीय टीम आख़िरी बार साल 2008 में 'एशिया कप' खेलने पाकिस्तान दौरे पर गई थी. दरअसल, साल 2008 के मुंबई हमले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक रिश्ते ठीक नहीं, ऐसे में भारतीय टीम के लिए पाकिस्तान में क्रिकेट खेलना जान जोखिम में डालने के बराबर है.

2 - शहीदों का अपमान

पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलने के पीछे सबसे बड़ी वजह है आतंकवाद. सरहद पार से आतंकी भेजकर पाकिस्तान लगातार हमारे जवानों को निशाना बना रहा है. पिछले कुछ सालों में हम उरी, पठानकोट समेत कई बड़े आतंकी हमले झेल चुके हैं. इन हमलों में हमारे सैकड़ों जवान शहीद हो रहे हैं. ऐसे में भारत किसी भी हालत में पाकिस्तान से क्रिकेट नहीं खेल सकता है. टीम इंडिया का पाकिस्तान जाना शहीदों का अपमान से कम नहीं है. बीसीसीआई को साफ़ शब्दों में टीम भेजने से इंकार कर देना चाहिए, भले ही बोर्ड को करोड़ों का नुक्सान ही क्यों न उठाना पड़े.

3 - एशिया कप का बदला लेना चाहता है पाकिस्तान

पाकिस्तान में अगले साल खेली जानी वाली 'चैंपियंस ट्रॉफी' के लिए सुरक्षा

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

कारणों के चलते भारत 'एशिया कप' की तरह ही 'हाईब्रिड मॉडल' की मांग कह रहा है. लेकिन पीसीबी पूरे टूर्नामेंट को पाकिस्तान में आयोजित करने पर अडिग है. पाकिस्तान ने कोलंबो में 19 से 22 जुलाई तक आयोजित होने वाली आईसीसी के एनुअल सम्मेलन के दौरान 'हाइब्रिड मॉडल' के प्रस्ताव का विरोध करने की बात भी कही है. पीसीबी चीफ़ कई मौकों पर कह चुके हैं कि वो भारत को किसी भी हालत में 'हाइब्रिड मॉडल' नहीं देंगे, फिर चाहे उन्हें भारत के बिना ही ये टूर्नामेंट क्यों न कराना पड़ जाए.

4 - सभी मैच एक वेन्यू पर खेलने से भारत को नुकसान

भारत की सुरक्षा चिंताओं के चलते पाकिस्तान ने आईसीसी के समक्ष 'टीम इंडिया' के सभी मुक़ाबले लाहौर के 'गद्दाफ़ी स्टेडियम' में कराने का प्रस्ताव रखा है. लाहौर से भारत की दूरी कम होने के चलते किसी तरह की अनहोनी में भी टीम को वहां से सुरक्षित निकालना आसान है, लेकिन क्रिकेट के नज़रिये से बात करें तो टीम इंडिया के लिए एक ही वेन्यू पर अपने सभी मैच खेलना शिकस्त का कारण भी बन सकता है. दरअसल, लाहौर का 'गद्दाफ़ी स्टेडियम' नए सिरे से बनाया जा रहा है और पिच भी नई बनाई जा रही है. ऐसे में ये 'टीम इंडिया' के लिए खतरे से खाली नहीं है.

5 - दुबई-श्रीलंका में मैच होने से भारत को करोड़ों का फ़ायदा

अगले साल खेली जाने वाली 'चैंपियंस ट्रॉफ़ी' की मेज़बानी पाकिस्तान करेगा. ऐसे में टूर्नामेंट की अधिकतर स्पॉन्सरशिप डील पाकिस्तानी कंपनियों को ही मिलेंगी. भारत और पाकिस्तान की सरकारों के बीच ट्रेडिंग से लेकर कई तरह की चीज़ों पर लगी रोक के चलते भारतीय कंपनियां स्पॉन्सरशिप से हाथ धो बैठेंगी. अगर 'चैंपियंस ट्रॉफ़ी' में भारतीय टीम अपने मैच हाईब्रिड मॉडल के तहत दुबई या श्रीलंका में खेलती है तो बीसीसीआई और भारतीय कंपनियां मोटा पैसा कमा सकती हैं. हाल ही संपन्न हुए 'टी20 वर्ल्ड कप' के दौरान बीसीसीआई और भारतीय कंपनियों स्पॉन्सरशिप के ज़रिए करोड़ों रुपये छापे थे. ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

हार्दिक का 'हार्ड लक' – पहले हुआ तलाक, पत्नी ने बेटे से भी किया जुदा, ना बने टीम इंडिया के कप्तान – ना उपकप्तान

हार्दिक के जीवन में इस वक्त हाहाकार मचा हुआ है। एक तरफ तो वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बहुत ही बुरे फंसे हुए हैं, जहां उनके जीवन में...

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पंड्या हाल ही में टीम इंडिया की टी20 वर्ल्ड कप जीत के नायक रहे हैं। टी20 वर्ल्ड के ताज को पहनने के बाद पांडया का बड़े शान के साथ इंडिया में हार्दिक स्वागत किया गया। जो कुछ महीने पहले आईपीएल तक फैंस के लिए खलनायक बन गया था, वो वक्त के चक्र के घूमने के साथ ही भारतीय क्रिकेट का सबसे बड़ा नायक बन गया। जिसके बाद हार्दिक पांड्या को रोहित शर्मा के संन्यास के बाद टीम इंडिया का टी20 कप्तान कंफर्म मान लिया गया था।

हार्दिक पंड्या का हार्ड लक, ना पत्नी, ना बेटा ना, ना मिली कप्तानी

वो कहते हैं ना समय बड़ा बलवान होता है। वर्ल्ड कप जीते अभी एक महीना भी नहीं गुजरा कि चमक चक्र ने फिर से ऐसी करवट ली कि हार्दिक अपने आपको दुनिया का सबसे अभावा समझने लगे होंगे... हार्दिक का हार्ड लक ही कहा जाएगा। जिनके लिए कुछ ही घंटों में तस्वीर ऐसी बदली कि ना तो वो अपनी पत्नी से तलाक बचा पाए, ना अपनी आंखों के तारें... जिगर के टुकड़े बेटे को खुद से जुदा होने से बचा पाए। रही सही कसर उनके टीम इंडिया के कप्तान बनने के सपने ने तोड़ दी।

हार्दिक पंड्या के पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल करियर में उथल-पुथल

हार्दिक के जीवन में इस वक्त हाहाकार मचा हुआ है। एक तरफ तो वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बहुत ही बुरे फंसे हुए हैं, जहां उनके जीवन में वाइफ नताशा स्टेनकोविक के साथ ऐसे-ऐसे ट्विस्ट सामने आ रहे हैं, कि वो हैरान-परेशान हो चुके हैं। हार्दिक के लिए ये वक्त कुछ ऐसा चल रहा है कि वो इस समय की घड़ी की

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

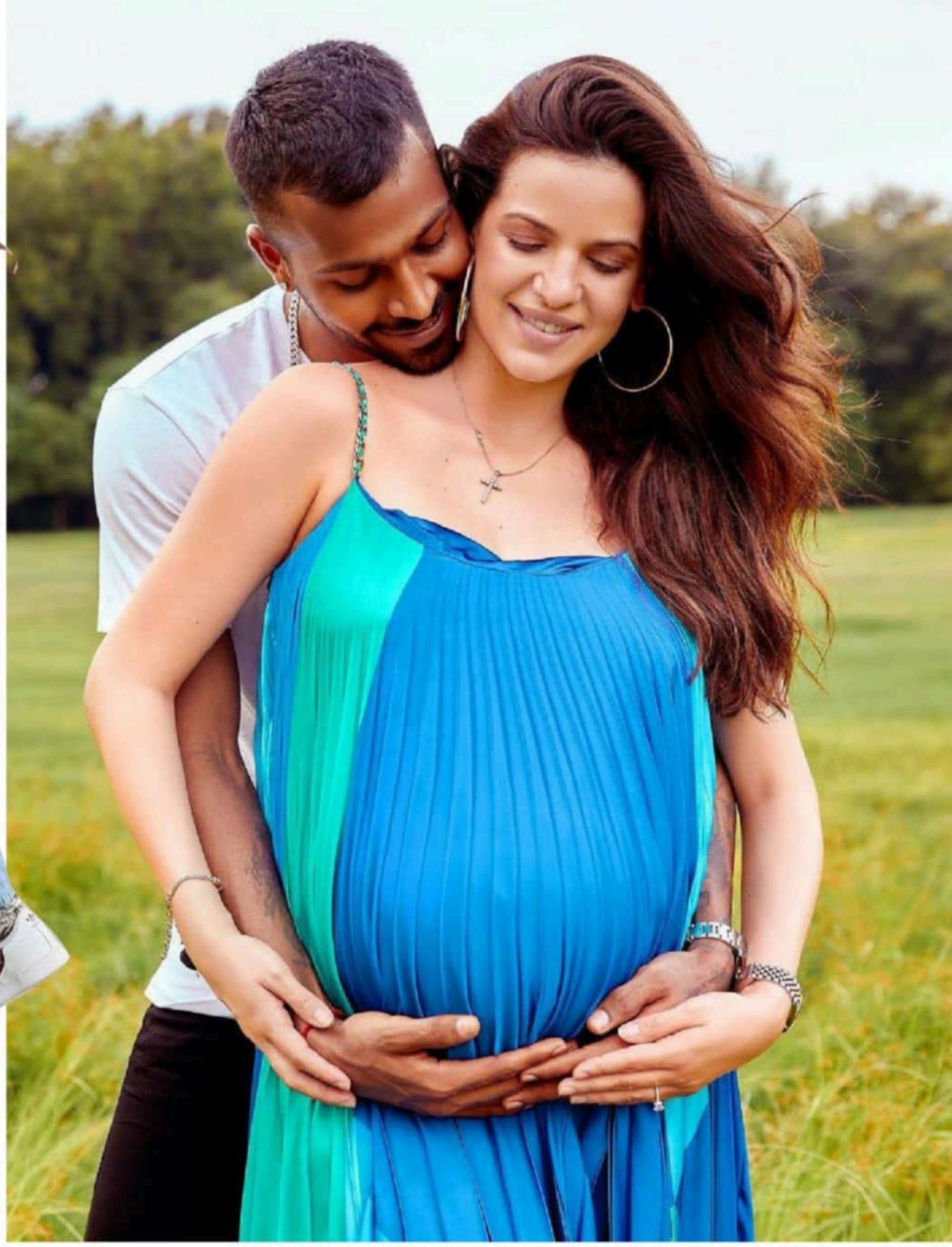

सुईयां आगे बढ़ाना चाह रहे हैं। तो दूसरी तरफ प्रोफेशनल लाइफ यानी टीम इंडिया के साथ करियर में भी अलग ही मोड़ आ चुका है, जहां इस स्टार ऑलराउंडर को खतरनाक भंवर में फंसा दिया है। श्रीलंका के दौरे पर चुनी गई टीम के वो कप्तान कंफर्म थे, लेकिन अचानक ही पासा ऐसा पलटा कि वो कप्तान क्या इस स्क्वॉड के उप कप्तान भी नहीं बनाए गए। तो चलिए इस आर्टिकल में हार्दिक के हार्ड-लक से मचे हाहाकार पर डालते हैं एक नजर

हार्दिक पंड्या की प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ का सफर

हार्दिक पंड्या... भारतीय क्रिकेट को लंबे समय के बाद एक ऐसा जबरदस्त ऑलराउंडर खिलाड़ी मिला जो गेंद और बल्ले दोनों से मैच का रुख पटलने का माद्दा रखता है। इस खिलाड़ी ने साल 2016 में टीम इंडिया में एन्ट्री की और देखते ही देखते वो भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे अहम खिलाड़ियों में एक बन बैठे। इसके बाद स्टारडम हार्दिक के कदमों में आता रहा और ये खिलाड़ी अपने हुनर के साथ आगे कदम बढ़ाता रहा। हार्दिक पांड्या ने अपने जीवन की दूसरी पारी की शुरुआत साल 2020 में की, जब उन्होंने सर्बिया की मॉडल नताशा स्टेनकोविक को अपना लाइफ पार्टनर बना दिया। इसी साल अगस्त में नताशा और हार्दिक ने एक बच्चे को जन्म दिया... जिनका नाम अगस्त्य रखा गया। टीम इंडिया के इस स्टार ऑलराउंडर की पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ दोनों के पहिये बराबर चल पड़े। हार्दिक अपने जीवन में बहुत ही खुश थे, जहां उनकी पत्नी नताशा का साथ भी बढ़िया था, तो दूसरी तरफ क्रिकेट में भी दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की पथ पर अग्रसर थे। साल 2022 में हार्दिक ने आईपीएल में मुंबई का साथ छोड़ा तो उन्हें गुजरात टाइटंस ने अपना कप्तान बना लिया और पहले ही सीजन में गुजरात टाइटंस को खिताब दिलाकर टीम इंडिया की कप्तानी का दावा ठोका। उन्हें अब टीम इंडिया में रोहित शर्मा की गैरहाजिरी में कप्तानी करने का भी मौका मिलता रहा।

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

वनडे वर्ल्ड कप में चोटिल होने के बाद हार्दिक की किस्मत ने ली करवट

भारत का ये स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा का डिप्टी बना, लेकिन किस्मत खराब रही कि वो बीच में ही चोटिल होकर टीम से दूर हो गए। यहां से हार्दिक के लाइफ में उथल-पुथल होना शुरू हुआ। जहां से हार्दिक टीम इंडिया से दूर हो गए और फिर उनकी वापसी में काफी लंबा वक्त लग गया। आईपीएल में उन्होंने गुजरात टाइटंस का साथ छोड़ा और मुंबई का दामन थाम लिया। जहां हार्दिक को खूब ट्रोल किया गया। मुंबई इंडियंस के फैंस रोहित की जगह हार्दिक के लेने से गुस्सा दिखे, तो वहीं गुजरात टाइटंस के फैंस हार्दिक की बेवफाई से खफा हो गए।

आईपीएल में उठी थी पत्नी नताशा से तलाक की खबर

आईपीएल में मुंबई की कप्तानी करते हुए लगातार हार और ट्रोलिंग से परेशान हार्दिक के जीवन में सबसे बड़ा झटका उनकी पत्नी नताशा स्टेनकोविक ने दिया। जहां उनके तलाक की खबरें आने लगी। अब यहां से हार्दिक फिर से अपनी लाइफ में परेशान रहने लगे। तलाक की खबरों के बीच एक बार फिर से फैंस अपने इस हीरो के सपोर्ट में आ गए। इसी बीच टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की जीत में हार्दिक के योगदान ने उन्हें फिर से नायक बना दिया।

टी20 कप्तानी और पत्नी नताशा ने छोड़ा साथ, अब क्या करेंगे हार्दिक?

भारतीय टीम के लिए हार्दिक वर्ल्ड कप की जीत के बाद अगले टी20 कप्तान माने जाने लगे। जहां उन्हें हर कोई रोहित शर्मा के संन्यास के बाद टीम इंडिया का अगला टी20 कप्तान मान रहा था, लेकिन इसी बीच उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी नहीं सौंपी गई, तो वहीं दूसरी तरफ उनकी पत्नी नताशा की अपने बेटे के साथ तस्वीर वायरल हुई और साथ ही गुरुवार को ही पत्नी नताशा का साथ छूटने की बात भी सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब हार्दिक पूरी तरह से फंस गए हैं। ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

अंकित

क्या ईशान किशन के अंतर्राष्ट्रीय करियर पर यशस्वी-अभिषेक ने लगा दिया है ग्रहण?

ईशान किशन टीम मैनेजमेंट का भरोसा हासिल कर चुके थे, लेकिन तभी उन्होंने एक ऐसा कदम उठाया कि वो उनके करियर के लिए सबसे बड़ा नुकसानदायक कदम साबित हो रहा है।

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन पिछले काफी समय से दूर हैं। झारखंड के इस विकेटकीपर बल्लेबाज को ऋषभ पंत के कार एक्सीडेंट के बाद टीम इंडिया में लगातार मौके मिल रहे थे। इस युवा स्टार खिलाड़ी को धीरे-धीरे तीनों ही फॉर्मेट में स्थापित कर लिया गया। जहां ईशान किशन ने कई मौकों पर खुद को टीम में साबित भी किया और भारतीय टीम के लिए किशन ने खासकर टी20 फॉर्मेट में एक ओपनर बल्लेबाज के तौर पर जगह बना ली।

ईशान किशन के लिए अब टीम इंडिया की राह नहीं है आसान

ईशान किशन टीम मैनेजमेंट का भरोसा हासिल कर चुके थे, लेकिन तभी उन्होंने एक ऐसा कदम उठाया कि वो उनके करियर के लिए सबसे बड़ा नुकसानदायक कदम साबित हो रहा है। ईशान किशन ने पिछले साल के आखिर में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से अपना नाम वापस ले लिया। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने मानसिक तनाव का हवाला देते हुए स्क्वॉड में चुने जाने के बावजूद नाम वापस लेकर टीम मैनेजमेंट को चुनौती दे डाली। इसके बाद से ही ये स्टार क्रिकेटर टीम इंडिया से दूर है।

विकेटकीपर बल्लेबाज को लगातार किया जा रहा है नजरअंदाज

वैसे तो किशन को उम्मीद थी कि वो जल्द ही टीम इंडिया में लौट आएगा। लेकिन दक्षिण अफ्रीका के उस दौरे के बाद से ही टीम इंडिया एक के बाद एक कई सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट खेल लिया, लेकिन ईशान किशन की वापसी नहीं हो सकी है। टी20 वर्ल्ड कप के बाद बीसीसीआई

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

ने जिम्बाब्वे के दौरे पर टीम इंडिया की यंग ब्रिगेड को खेलने भेजा, ईशान किशन को भरोसा था कि वो इस दौरे पर तो जरूर वापसी कर लेंगे, लेकिन यहां भी उन्हें निराशा ही हाथ लगी।

यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा ने लगाया किशन के करियर पर ग्रहण!

भारतीय क्रिकेट टीम में अब प्रतिस्पर्धा इतनी खतरनाक हो चली है कि किसी भी खिलाड़ी के एक बार बाहर होने के बाद वापसी करना आसान नहीं होता है। इसी तरह से अब ईशान किशन के मुश्किलें बढ़ गई हैं। भले ही अब किशन ये सोचते होंगे कि उनकी वापसी आज नहीं तो कल जरूर होगी, लेकिन टीम इंडिया में युवा स्टार बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा ने उनके करियर पर एक तरह से ग्रहण लगा दिया है। जिस तरह से यशस्वी और अभिषेक शर्मा को मौका मिल रहा है और वो प्रदर्शन कर रहे हैं, उसे देखते हुए तो ईशान किशन की राह मुश्किल हो गई है।

किशन के पास टी20 में बतौर ओपनर खेलने का था मौका

भारतीय क्रिकेट टीम में ऋषभ पंत की गैरहाजिरी में ईशान किशन को बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज मौके मिलते रहे। उन्होंने कई बार तो सिर्फ बतौर ओपनर की टी20 फॉर्मेट में खेलते हुए अपना लोहा मनवाया। ऐसे में रोहित शर्मा के रिटायरमेंट के बाद किशन के पास भले ही पंत टीम में शामिल होते तो भी बतौर ओपनर मौका मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उनके बाहर होने के बाद युवा खिलाड़ियों ने ओपनिंग का मौका लपक लिया।

रोहित के जाने के बाद अब यशस्वी-अभिषेक ने दावा किया मजबूत

रोहित शर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर किसी ना किसी को तो आना ही था, अब वो मौका यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों ने बना दिया है। यशस्वी जायसवाल को जब भी टीम इंडिया के लिए मौका मिल

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

रहा है, वो इस पर चौका लगाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने अब तक भारत के लिए 20 मैच खेलने का मौका पाया है, जिसमें वो 19 पारी में 37.82 की शानदार औसत और 162.78 की खतरनाक स्ट्राइक रेट से 643 रन बनाने में सफल रहे हैं, इस दौरान उन्होंने 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं। यशस्वी में ना सिर्फ टैलेंट बल्कि टेंपरामेंट भी गजब का दिख रहा है।

ये तो थी यशस्वी की बात अब दूसरे बड़े खतरे अभिषेक शर्मा की कर लेते हैं। इस युवा बल्लेबाज को जिम्बाब्वे के दौरे पर पहली बार टीम शामिल किया गया। अभिषेक शर्मा ने पहले मैच में तो खाता तक नहीं खोला, लेकिन दूसरे ही मैच में उन्होंने सिर्फ 46 गेंद में शतक लगा दिया। अभिषेक शर्मा ने दिखाया है कि वो ओपनिंग में विरोधी टीम के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाने का पूरा दमखम रखते हैं। अभिषेक ने अपनी इस काबिलियत को आईपीएल में ही साबित कर दी, जहां उन्होंने 2024 के सत्र में सनराइजर्स के लिए खेलते हुए खतरनाक बल्लेबाजी की। 23 साल के इस खिलाड़ी ने बड़े-बड़े गेंदबाजों के पसीने छुड़ा दिए, जहां उन्होंने खेले 16 मैच में 204 की स्ट्राइक रेट और करीब 33 की औसत से 484 रन बनाए।

यशस्वी-अभिषेक ने बतौर ओपनर टी20 फॉर्मेट में दिखाया है खतरनाक अंदाज

ईशान किशन भी एक बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और यशस्वी-अभिषेक भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी ही करते हैं। ईशान किशन जरूर विस्फोटक बैटिंग कर लेते हैं, लेकिन यशस्वी और अभिषेक तो उनसे भी बड़े तूफानी अंदाज में खेलते हैं और पावर प्ले का पूरा फायदा उठाने की क्षमता रखते हैं। उनके अब तक के खेलने की शैली ने उन्हें टी20 फॉर्मेट के लिए खास बना दिया है। ऐसे में कहा जा सकता है कि अब यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा ने कहीं ना कहीं ईशान किशन के करियर पर फुल स्टॉप लगा दिया है। ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

मनीष

बर्नले में एक सड़क को जेम्स एंडरसन का नाम देने जैसी मिसाल क्रिकेट में ज्यादा नहीं हैं – टॉप 5 की चर्चा

शहर की स्थानीय कारपोरेशन में एंटरटेनमेंट काउंसलर जैक लॉनर के मुताबिक़ तो फ़ुटबाल क्लब के टर्फ मूर ग्राउंड पर एक स्टैंड का नाम भी एंडरसन के नाम पर रखने की चर्चा चल रही है...

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को यूं तो लॉर्ड्स में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद कई सम्मान मिले पर ख़ास ये कि बर्नले में, एक सड़क को उन का नाम दिया जाएगा। ख़ास बर्नले के उन्हें ऐसा सम्मान देने की सबसे बड़ी वजह ये कि ये उन का होम टाउन है। वह शहर तो ये भी सोच रहा है कि और कैसे-कैसे एंडरसन को सम्मानित करें। शहर की स्थानीय कारपोरेशन में एंटरटेनमेंट काउंसलर जैक लॉनर के मुताबिक़ तो फुटबाल क्लब के टर्फ मूर ग्राउंड पर एक स्टैंड का नाम भी एंडरसन के नाम पर रखने की चर्चा चल रही है. एंडरसन हमेशा बर्नले एफसी के सपोर्टर रहे हैं। यहां तक कि एंडरसन लेंकशायर और इंग्लैंड के लिए खेलने से पहले बर्नले क्रिकेट क्लब के लिए ही खेलते थे।

क्रिकेट में बहुत ज्यादा खिलाड़ी नहीं हैं जिनके नाम पर किसी शहर में स्ट्रीट/सड़क हो। ऐसे मामले में पसंद नाम की वरीयता में क्रिकेटर बहुत नीचे चल रहे हैं। देखते हैं इसी से जुड़ी कुछ मजेदार मिसाल :

1. बेंगलुरु में अनिल कुंबले सर्कल : जब 1999 में अनिल कुंबले ने 10/74 का रिकॉर्ड बनाया यानि कि टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले सिर्फ दूसरे गेंदबाज बने तो उनके शहर बेंगलुरु में एक सर्कल (क्रॉसिंग) को उनके नाम से जोड़ दिया। ये शहर की सबसे मशहूर एमजी रोड और क्रिकेट स्टेडियम के बिलकुल करीब है। उनसे पहले सिर्फ इंग्लैंड के जिम लेकर (1956) के नाम था ये रिकॉर्ड। ये रिकॉर्ड कुंबले ने फरवरी 1999 में दिल्ली टेस्ट में पाकिस्तान के विरुद्ध बनाया। इसी नामकरण के मौके पर शहर के ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने उन्हें कस्टमाइज्ड लाइसेंस प्लेट वाली एक कार भी गिफ्ट दी. कार का नंबर

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

KA-10-N-10 है।

2. मुंबई में दिलीप सरदेसाई चौक : **वहां स्थानीय** कार्पोरेशन बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) ने एक चौक (क्रॉसिंग) का नाम दिलीप सरदेसाई चौक रखा था- ये फरियास होटल और कोलाबा टेलीफोन भवन के बिलकुल करीब है। उन्हें ये सम्मान दिलाने के लिए वहां से मशहूर सांसद मिलिंद देवरा ने बड़ी मेहनत की थी।

3. आईपीएल का असर और छलावा : **सड़क/स्ट्रीट को** किसी क्रिकेटर का नाम देने की इस चर्चा में कोलकाता में रसेल स्ट्रीट और बेंगलुरु में एबी डी विलियर्स रोड का जिक्र भी मिल जाएगा। रिपोर्ट है कि कोलकाता शहर की आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए आंद्रे रसेल और बेंगलुरु शहर की आईपीएल टीम आरसीबी के लिए डी विलियर्स के प्रदर्शन को देख कर ये सम्मान दिया गया पर ये सब गलत है। कोलकाता में चौरंगी रोड पर, बंगाल क्लब के पीछे, रसेल स्ट्रीट तो तब से है जब आईपीएल के बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था और ये सर हेनरी रसेल (1806-1813 तक सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस) के नाम पर है। दूसरी तरफ बेंगलुरु में एक आईटी एक्सपर्ट क्रिकेट प्रेमी ने जब गूगल मैप में ये देखा कि शहर की एक सड़क बिना नाम है तो गूगल मैप में उस सड़क को एबी डिविलियर्स रोड का नाम दे दिया। ये सड़क राजाजीनगर के पास है। जब स्थानीय कार्पोरेशन से किसी ने इस नामकरण की और जानकारी मांग ली तो ये राज खुला।

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

4. मेलबर्न में रॉकबैंक में क्रिकेटर स्ट्रीट : **ऑस्ट्रेलिया के** मेलबर्न का सबर्ब है रॉकबैंक और ऐसा लगता है कि वहीं के एक रियल एस्टेट प्रोजेक्ट का मालिक ख़ास क्रिकेट प्रेमी है- इसलिए वहां कई क्रिकेटरों के नाम पर सड़क हैं। एकोलेड एस्टेट द्वारा डेवलप की गई इस प्रॉपर्टी में 'तेंदुलकर ड्राइव', 'कोहली क्रिसेंट', '(कपिल) देव टेरेस' जैसे नाम खरीदारों को आकर्षित कर रहे हैं। **और देखिए-** वहां आपको 'वॉ स्ट्रीट', 'मियांदाद स्ट्रीट', 'एम्ब्रोस स्ट्रीट', 'सोबर्स ड्राइव', 'कैलिस वे', 'हैडली स्ट्रीट' और 'अकरम वे' भी मिल जाएंगे।

मजे की बात ये है कि एक सड़क को डॉन ब्रैडमैन स्ट्रीट का नाम देना था पर स्थानीय अथॉरिटी ने इसकी मंजूरी नहीं दी क्योंकि मेलबर्न में उनके नाम पर पहले से ही एक सड़क है। इसी तरह कुमार संगकारा, राहुल द्रविड़, एमएस धोनी और कुछ अन्य क्रिकेटरों के नाम के प्रयोग की अलग-अलग वजह से इजाजत नहीं मिली।

5. एशेज की बदौलत नाम : **एशेज का** जन्म स्थान कहते हैं ऑस्ट्रेलिया में, नार्थ-वेस्ट शहर सनबरी को और वहां की सड़कों पर एशेज का असर साफ़ नजर आता है- ब्रैडमैन ड्राइव पर क्रूज करें और वॉ सेंट, गिलक्रिस्ट क्रेस और बॉर्डर बुलेवार्ड को देखकर हैरान रह जाएं। वहां से लिली पार्क, बेनो प्लेस और कवर ड्राइव भी ज्यादा दूर नहीं हैं। ब्रैडमैन ड्राइव के बिलकुल साथ-साथ है ऑफ स्टंप पार्क जो बड़ा खूबसूरत है। ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

कगिसो रबाडा का रिकॉर्ड तोड़कर चार्ली कैसल ने वनडे में रच दिया इतिहास

दरअसल, स्कॉटिश गेंदबाज़ चार्ली कैसल ने डेब्यू मैच में 'सबसे ज़्यादा विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड' अब अपने नाम कर लिया है. उन्होंने कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ते हुए डेब्यू में बेस्ट स्पेल फेंकने का रिकॉर्ड बनाया है.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

क्रिकेट जगत में आये दिन कोई न कोई रिकॉर्ड बनता और टूटता रहता है. फ़ैंस को अक्सर बल्लेबाज़ी में 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' देखने को मिलते हैं, लेकिन इस बार एक गेंदबाज़ ने नया 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' बना डाला है. दरअसल, स्कॉटलैंड के युवा तेज़ गेंदबाज़ चार्ली कैसल ने गेंदबाज़ी में ये ऐतिहासिक कारनामा अपने डेब्यू मैच में कर दिखाया है. उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के तेज़ गेंदबाज़ कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ते हुए ये रिकॉर्ड अब अपने नाम कर लिया है. चार्ली कैसल ने ये 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' ओमान के ख़िलाफ़ 'ICC मेंस वर्ल्ड कप लीग 2' के मैच में बनाया है.

दरअसल, स्कॉटिश गेंदबाज़ चार्ली कैसल ने डेब्यू मैच में 'सबसे ज़्यादा विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड' अब अपने नाम कर लिया है. उन्होंने कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ते हुए डेब्यू में बेस्ट स्पेल फेंकने का रिकॉर्ड बनाया है. चार्ली ने ओमान के ख़िलाफ़ खेले गए इस वनडे मैच में केवल 21 रन देकर 7 विकेट झटके हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा के नाम पर दर्ज था. रबाडा ने साल 2015 में बांग्लादेश के ख़िलाफ़ अपने वनडे डेब्यू मैच में 16 रन देकर 6 विकेट चटकाए थे.

चार्ली की घातक गेंदबाजी से ओमान हुई ध्वस्त

इस मुक़ाबले में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाज़ी करने का फ़ैसला लिया. पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी ओमान की टीम चार्ली कैसल के आगे टिक नहीं सकी और पूरी टीम 21.4 ओवर में केवल 91 रनों पर सिमट गई. इस दौरान ओमान के सिर्फ़ 3 बल्लेबाज़ ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके. ओमान के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज़ प्रतीक आठवले ने 56 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 34 रन की सबसे

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

बड़ी पारी खेली. इस तरह से चार्ली कैसल अपने 5.4 ओवरों में 21 रन देकर 7 विकेट अपने नाम किए. जबकि ब्रैडली करी, ब्रैंडन मैकमुलेन, गेविन मेन को 1-1 सफलता मिली.

कुछ ऐसा था चार्ली का पहला ओवर

चार्ली कैसल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत बेहद शानदार ढंग से की. उन्होंने अपने करियर की पहले गेंद पर ज़ीशान मसूद को एलबीडब्ल्यू कर फंसाया, दूसरी गेंद पर उन्होंने अयान ख़ान को बोल्ड मारा. तीसरी गेंद पर वो हैट्रिक से चूके, लेकिन रन नहीं दिया. चौथी गेंद पर खालिद कैल को कैच आउट कराया और अगली 2 गेंदों में उन्होंने कोई रन नहीं दिया. इस तरह से चार्ली ने अपने पहले ओवर में बिना कोई रन दिए 3 विकेट चटकाए. इसके बाद चार्ली ने अपने दूसरे ओवर में शोएब खान को आउट किया. उनका तीसरा ओवर महंगा रहा और बिना विकेट लिए 10 रन लुटाये. चार्ली ने

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

अपने चौथे ओवर की पहली गेंद पर भी विकेट चटकाया. इसके बाद 5वें ओवर की तीसरी गेंद पर भी विकेट चटकाया. जबकि अपने छठे ओवर की चौथी गेंद पर बिलाल ख़ान को आउट कर कुल 7 विकेट लेकर चार्ली कैसल ने 'वर्ल्ड रिकॉर्ड' अपने नाम किया.

इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड ने 17.2 ओवर में 95/2 रन बनाकर आसान जीत हासिल कर ली. स्कॉटलैंड के लिए ब्रैंडन मैकमुलेन ने 43 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 37 रनों की पारी खेली. ओमान के लिए फैयाज बट और बिलाल ख़ान ने 1-1 विकेट चटकाया.

वनडे डेब्यू में अब इन 3 गेंदबाज़ों के नाम है बेस्ट बॉलिंग फिगर का रिकॉर्ड -

1- **चार्ली कैसल** (स्कॉटलैंड) – 7/21
2- **कगिसो रबाडा** (दक्षिण अफ्रीका) – 6/16
3- **फिडेल एडवर्ड्स** (वेस्टइंडीज) – 6/22 ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

विकास

जानिए कैसे एक वेटर की टिप्स ने सुधारी थी सचिन की बैटिंग, दिलचस्प है क्रिकेट का ये क़िस्सा

क्या आप सोच सकते हैं सचिन तेंदुलकर जैसे एक महान खिलाड़ी की बैटिंग में सुधार एक वेटर ने करवाया था. जी हां, ये हैरानी वाली बात ज़रूर है, मगर सच है.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

सचिन तेंदुलकर! क्रिकेट की दुनिया में ये नाम ही काफ़ी है. टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन और शतक, वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक रन और शतक, दुनिया में सबसे अधिक इंटरनेशनल रन, दुनिया में सबसे अधिक 100 शतक लगाने वाला पहला और इकलौता क्रिकेटर. और भी न जाने कितने रिकॉर्ड हैं सचिन के नाम. इसीलिए सचिन तेंदुलकर (Sachin Tendulkar) को भारत में 'गॉड ऑफ़ क्रिकेट' के नाम से भी जाना जाता है. क्रिकेट फैन्स उन्हें आज भी भगवान की तरह मानते हैं. हो भी क्यों न, इस महान खिलाड़ी ने क्रिकेट में जो रिकॉर्ड बनाए हैं, उन्हें आज तक कोई दूसरा खिलाड़ी तोड़ नहीं पाया. सचिन को क्रिकेट खेलते हुए देखने भर से मानो फ़ैंस की सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती थीं.

मगर क्या आप सोच सकते हैं सचिन तेंदुलकर जैसे एक महान खिलाड़ी की बैटिंग में सुधार एक वेटर ने करवाया था. जी हां, ये हैरानी वाली बात ज़रूर है, मगर सच है. इस बात का ज़िक्र खुद मास्टर ब्लास्टर ने एक इंटरव्यू में किया था. इस दौरान उन्होंने बताया कि कैसे एक बार एक वेटर ने उनके कमरे में आकर उन्हें उनकी बैटिंग से जुड़ी कमी बताई थी.

चेन्नई टेस्ट का ये किस्सा दिलचस्प है

ये क़िस्सा आज से क़रीब 22 साल पुराना है. सचिन तब टेस्ट मैच खेलने चेन्नई पहुंचे थे और वहां ताज कोरोमंडल होटल में ठहरे हुए थे. उस दौरान उनके कमरे में गुरु प्रसाद नाम

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

का एक वेटर कॉफी लेकर आया. दुनिया के अन्य क्रिकेट फ़ैंस की तरह ही 'गुरु' भी सचिन तेंदुलकर का फ़ैन था. मगर ये वेटर सचिन का कुछ ज़्यादा ही जबरा फैन निकला. वो सचिन को सिर्फ़ खेलते हुए नहीं, बल्कि उनकी बैटिंग को बारीक़ से स्टडी भी करता था. ऐसे में जब उसने सचिन को देखा तो उनसे कुछ बात करने की इजाज़त मांगी.

गुरु प्रसाद जब कॉफ़ी लेकर कमरे में पहुंचा तो उसने सचिन तेंदुलकर से कहा, 'सर अगर आप बुरा न मानें, तो मैं आपसे क्रिकेट पर कुछ डिस्कस करना चाहता हूं. क्या मैं कर सकता हू? इस पर सचिन ने भी कहा, 'हां, बिल्कुल'. फिर वेटर ने सचिन को वो एक ऐसी बात बताई, जिसके बारे में दुनिया में किसी को नहीं पता था. सचिन भी उसकी बात सुनकर हैरान रह गए.

दरअसल, वेटर ने सचिन से कहा, सर

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

आप जब भी 'एल्बो गार्ड' पहनते हैं, तो आपके बैट का स्विंग बदल जाता है. मैं आपका फैन हूं और आपकी बैटिंग को कई बार रिवाइंड करके देखता हूं. यही वजह है मैंने इसे नोटिस किया'. इस दौरान सचिन ने वेटर से कहा कि, 'तुम दुनिया में पहले ऐसे इंसान हो, जिसने इस चीज़ को नोटिस किया है'.

सचिन वेटर की इस ऑब्जर्वेशन से हैरान थे. क्योंकि उन्होंने अपनी इस कमी के बारे में कभी किसी से डिस्कस नहीं किया था. मगर तेंदुलकर की भी खासियत थी कि उन्होंने वेटर की बात को सुना और अपनी उस कमी पर काम किया. इसके बाद उन्होंने सबसे पहले अपने 'एल्बो गार्ड' को रिडिजाइन कर उसकी पैडिंग, साइज और स्ट्रिप को सही कराया. सचिन जब अगली बार बल्लेबाज़ी करने उतरे तो उन्होंने शानदार बल्लेबाज़ी की थी. सचिन ने इस क़िस्से से जुड़ा एक वीडियो भी ट्विटर पर शेयर भी किया था. ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

अंकित

MERV HUGHES: दुनिया का वह इकलौता गेंदबाज़, जिसने 3 ओवरों में पूरी की थी अपनी 'हैट्रिक'

अगर बात सन 1988 की है. वेस्टइंडीज़ की टीम ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर थी. पर्थ में दोनों देशों के बीच खेले गये एक टेस्ट मैच के दौरान ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ मर्व ह्यूज ने एक अनोखी हैट्रिक लगाई, जिसे आज तक कोई दूसरा गेंदबाज़ दोहरा नहीं पाया है.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

इंटरनेशनल क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज़ के लिए हैट्रिक (Hat-Trick) लेना एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है. वर्ल्ड क्रिकेट में अब तक कई गेंदबाज़ हैट्रिक (Hat-Trick) ले चुके हैं. इनमें से कुछ गेंदबाज़ तो ऐसे भी हैं जो ये कारनामा कई बार कर चुके हैं. लेकिन पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ मर्व ह्यूज (Merv Hughes) दुनिया के इकलौते गेंदबाज़ हैं जिन्हें अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए 3 ओवर फ़ेंकने पड़े थे. ह्यूज जैसी 'हैट्रिक' आज तक इंटरनेशनल क्रिकेट में कोई नहीं ले पाया है.

बात सन 1988 की है. वेस्टइंडीज़ की टीम ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर थी. पर्थ में दोनों देशों के बीच खेले गये एक टेस्ट मैच के दौरान ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ मर्व ह्यूज ने एक अनोखी हैट्रिक लगाई, जिसे आज तक कोई दूसरा गेंदबाज़ दोहरा नहीं पाया है. दरअसल, ह्यूज की ये 'हैट्रिक' इसलिए भी ख़ास है क्योंकि इसे उन्होंने टेस्ट मैच की 2 अलग-अलग इनिंग्स के 3 अलग-अलग ओवरों में पूरी की थी. इस दौरान उन्होंने वेस्ट इंडीज़ के Curtly Ambrose, Patrick Patterson और Gordon Greenidge को पवेलियन भेजा था. क्रिकेट इतिहास में ऐसे रिकॉर्ड संयोग से ही बनते हैं.

ह्यूज ने कुछ ऐसी ली थी 'हैट्रिक'

ऑस्ट्रेलिया के 'पर्थ क्रिकेट ग्राउंड' पर खेले गए इस टेस्ट मैच की पहली पारी के दौरान मर्व ह्यूज ने अपने 36वें ओवर की अंतिम गेंद पर वेस्टइंडीज़ के कर्टली एम्ब्रोस (8) को विकेटकीपर इयान हिली के हाथों आउट किया. इसके बाद ह्यूज ने अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर पैट्रिक पैटरसन (1) को डोडमेड के हाथों

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

कैच कराया. इसी के साथ वेस्टइंडीज की पहली पारी 123.1 ओवरों में 449 रनों पर सिमट गई. इस दौरान मर्व ह्यूज ने वेस्ट इंडीज़ के 5 विकेट झटके. इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 395 रनों पर सिमट गई. इस तरह से वेस्ट इंडीज़ को पहली पारी में 54 रनों की बढ़त मिल गई.

इसके बाद वेस्ट इंडीज़ की दूसरी पारी शुरू हुई और ऑस्ट्रेलिया की ओर से मर्व ह्यूज गेंदबाज़ी करने आए. ह्यूज ने अपने पहले ओवर की पहली ही गेंद पर वेस्टइंडीज़ के सलामी बल्लेबाज़ गॉर्डन ग्रीनिज (0) को LBW कर अपनी हैट्रिक पूरी की. इस तरह से उनकी ये हैट्रिक 3 अलग-अलग ओवरों में पूरी हुई जो अपने आप में एक अजूबा है. मर्व ह्यूज ने दूसरी पारी में 8 विकेट झटके. इस मैच में ह्यूज ने कुल 13 विकेट झटके.

इसके जवाब में वेस्टइंडीज़ ने अपनी दूसरी पारी 349 रनों पर घोषित कर दी. अब ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

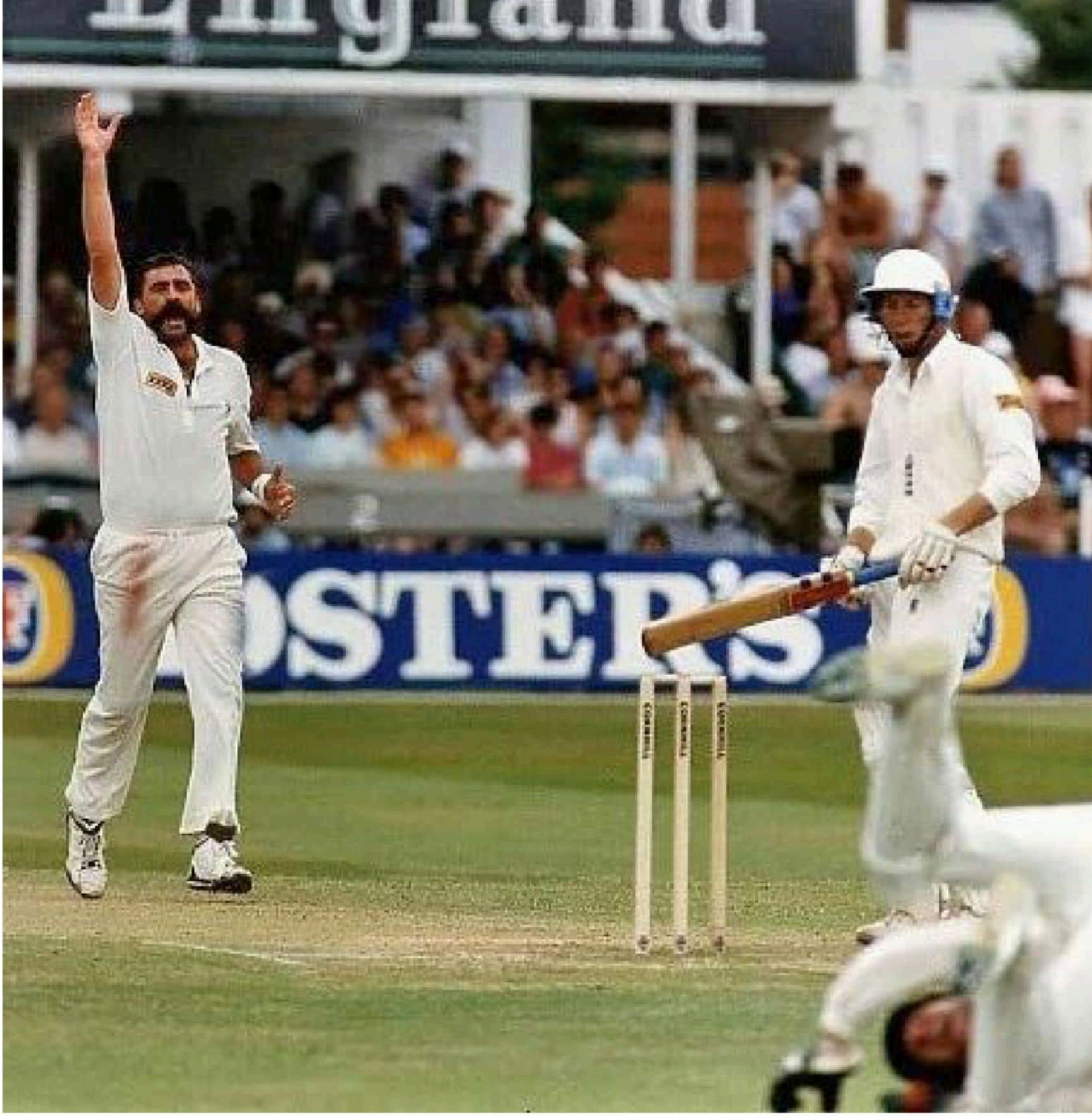

कुल 404 रनों की दरकार थी. लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 234 रनों पर सिमट गई. इस तरह से वेस्टइंडीज़ ने इस टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 169 रनों की शिकस्त दी. इस दौरान वेस्टइंडीज़ के तेज़ गेंदबाज़ कर्टली एम्ब्रोस ने ऑस्ट्रेलिया के 8 विकेट झटके. वहीं हैट्रिक मैन मर्व ह्यूज की पूरी मेहनत बेकार गई.

मर्व ह्यूज का इंटरनेशनल करियर

मर्व ह्यूज ने 13 दिसंबर, 1985 को भारत के ख़िलाफ़ एडिलेड टेस्ट मैच में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था. सन 1985 से 1994 तक उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 53 टेस्ट और 33 वनडे मैच खेले. ह्यूज ने 53 टेस्ट मैचों में 28.83 की औसत से 212 विकेट और 33 वनडे मैचों में 38 विकेट हासिल किए. ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज गेंदबाज़ मर्व ह्यूज (Merv Hughes) को साल 2021 में 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ़ फ़ेम' में शामिल किया गया था. ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

शादाब

भारत के 'सुधीर' से लेकर पाकिस्तान के 'चाचा क्रिकेट' तक, ये हैं वर्ल्ड क्रिकेट के 6 सुपरफ़ैंस

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines

दुनिया के हर देश की क्रिकेट टीम को सपोर्ट करने के लिए उनके करोड़ों फ़ैंस हैं, लेकिन इनमें से कुछ फ़ैंस ऐसे भी हैं, जो सुपरफ़ैंस के तौर पर जाने जाते हैं.

क्रिकेट बेशक अंग्रेज़ों की देन हो, लेकिन आज भारत इस पर एकछत्र राज करता है. सुनील गावस्कर, कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, हरभजन सिंह, महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा वो भारतीय क्रिकेटर हैं जिन्होंने अपने शानदार खेल से वर्ल्ड क्रिकेट पर राज किया है. भारत दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट प्रेमी देश है. हमारे देश में क्रिकेट को धर्म की तरह और खिलाड़ियों को भगवान की तरह पूजा जाता है, लेकिन क्रिकेट का क्रेज़ केवल भारत में ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश समेत क्रिकेट खेलने वाले कई देशों में भी देखा जाता है. दुनिया के हर देश की क्रिकेट टीम को सपोर्ट करने के लिए उनके करोड़ों फ़ैंस हैं, लेकिन इनमें से कुछ फ़ैंस ऐसे भी हैं, जो सुपरफ़ैंस के तौर पर जाने जाते हैं. क्रिकेट में जिस तरह से बल्ला, गेंद के बिना अधूरा है, ठीक उसी तरह क्रिकेट भी अपने सुपरफ़ैंस के बिना अधूरा है. ये ऐसे जबरा फ़ैंस रहे हैं, जो अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं. आज हम आपको अलग-अलग देशों के इन्हीं जबरा फ़ैंस से मिलवाने जा रहे हैं.

1 - चाचा क्रिकेट (पाकिस्तान)

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के इस जबरा फ़ैन का असली नाम चौधरी अब्दुल जलील है, लेकिन वर्ल्ड क्रिकेट

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search: https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

में उन्हें को चाचा क्रिकेट के नाम से जाना जाता है. उन्होंने सन 1969 में अपना पहला क्रिकेट मैच 19 साल की उम्र में देखा था. आज 'चाचा क्रिकेट' दुनिया के सबसे पुराने क्रिकेट फ़ैन माने जाते हैं.

2 - अंकल पर्सी (श्रीलंका)

श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के दिग्गज प्रशंसक पर्सी अबेसेकरा का 30 अक्टूबर 2023 को लंबी बीमारी के बाद 87 वर्ष उम्र में निधन हो गया था. वो क्रिकेट जगत में 'अंकल पर्सी' के नाम से मशहूर थे. श्रीलंका का राष्ट्रीय ध्वज लहराकर दुनियाभर के क्रिकेट स्टेडियम में अपने रंग-बिरेंगे कपड़ों से पहचाने जाने वाले 'अंकल पर्सी' ने '1979 विश्व कप' से श्रीलंकन टीम की हौसला-अफ़जाई शुरू की थी. इसके बाद उन्हें लगभग सभी बड़े क्रिकेट टूर्नामेंटों में देखा गया.

3 - सुधीर (भारत)

भारतीय क्रिकेट के सुपरफ़ैंन सुधीर कुमार चौधरी के चाहने वालों में क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर और भारत के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम भी शामिल हैं. उन्होंने अपना पहला मैच साल 2007 में देखा था. सुधीर जैसा फ़ैन न कभी था, न कोई है और न कभी होगा. ऐसा इसलिए क्योंकि सुधीर खाते-पीते, सोते-जागते बस भारतीय क्रिकेट के बारे में ही सोचते हैं. ये कहना ग़लत नहीं होगा कि सुधीर की रगों में 'खून' की जगह 'क्रिकेट' दौड़ता है.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

4 - शोएब अली बुखारी (बांग्लादेश)

बांग्लादेशी टीम सुपरफ़ैन शोएब अली बुखारी भी काफ़ी मशहूर हैं. बुखारी को आपने बाघ-थीम वाले बॉडी पेंट के साथ बांग्लादेश के मैचों में भाग लेते हुए देखा होगा. वो पेशे से मोटर मैकेनिक हैं और उनके पिता एक मस्जिद में इमाम हैं. शोएब अली बुखारी पिछले 1 दशक से बांग्लादेश की क्रिकेट टीम का समर्थन करने के लिए कई देशों की यात्रा कर चुके हैं. बांग्लादेश के क्रिकेटर उन्हें 'टाइगर' कहते हैं.

5 - शिकागो चाचा (पाकिस्तान)

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के एक और सुपरफ़ैन हैं, जो शिकागो चाचा के नाम से मशहूर हैं. लेकिन उनका असल नाम चाचा बशीर (Chacha Bashir) है. वो केवल पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के ही नहीं, बल्कि पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के भी जबरा वाले फ़ैंस हैं. शिकागो चाचा इन दिनों भारत में वर्ल्ड कप के दौरान अपनी टीम को चीयर करने पहुंचे हुए हैं.

6 - बार्मी आर्मी (इंग्लैंड)

इंग्लैंड क्रिकेट टीम की सपोर्टर बार्मी आर्मी भी काफ़ी मशहूर है. अपनी टीम को सपोर्ट करना हो या फिर विपक्षी टीम को ट्रोल करना, बार्मी आर्मी के मेंबर्स स्टेडियम से लेकर सोशल मीडिया पर काफ़ी एक्टिव रहते हैं. बार्मी आर्मी में लाखों क्रेज़ी क्रिकेट फ़ैंस शामिल हैं. ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

विकास

जिस पंजाबी सिंगर हार्डी संधू के गानों पर सब झूमते हैं, विश्वास कीजिए वे टीम इंडिया के लिए क्रिकेट खेल चुके हैं

जिंदगी में कई ऐसे हैं जो अपने लिए एक अलग करियर की राह पकड़ते हैं लेकिन किस्मत उनके लिए कुछ और ही तय करती है। पंजाबी सिंगर हार्डी संधू पर ये बात पूरी तरह से लागू होती है।

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

पंजाबी सिंगर हार्डी संधू को शायद किसी परिचय की जरूरत नहीं लेकिन ये पहचान इतनी हावी हो चुकी है कि क्रिकेटर हार्डी संधू को सही परिचय की जरूरत है। क्या आप जानते हैं-

फिल्म 83 में जिस अभिनेता ने मदन लाल का रोल किया था वे हार्डी संधू थे।

हार्डी संधू अंडर-19 टीम इंडिया के लिए क्रिकेट खेल चुके हैं।

उस टीम के एक खिलाड़ी शिखर धवन थे और ये दोनों रूम मेट थे।

आप जिन्हें हार्डी संधू कहते हैं उनका असली नाम हरदविंदर सिंह संधू है और क्रिकेट में उनका परिचय इसी नाम से मिलेगा।

अंडर-19 टेस्ट भी खेला- अंबाती रायडू, मनोज तिवारी, शिखर धवन और रॉबिन उथप्पा जैसे खिलाड़ियों के साथ इंग्लैंड अंडर-19 के विरुद्ध।

पंजाब के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेला। रिकॉर्ड- 3 मैच में 12 विकेट।

जिंदगी में कई ऐसे हैं जो अपने लिए एक अलग करियर की राह पकड़ते हैं लेकिन किस्मत उनके लिए कुछ और ही तय करती है। पंजाबी सिंगर हार्डी संधू पर ये बात पूरी तरह से लागू होती है। वे तो क्रिकेटर बनना चाहते थे पर आज चमक रहे हैं पंजाबी संगीत में और अब म्यूजिक की दुनिया में देश के सबसे लोकप्रिय नाम में से एक हैं। उनके हिट सिंगल्स न सिर्फ भारत में, भारत से बाहर भी खूब सुने जा सकते हैं। क्रिकेटर बनना चाहते थे और लगभग 10 साल तक क्रिकेट खेले। एक इंटरव्यू में बताया- 'मैंने शिखर धवन के साथ अंडर-19 इंडिया क्रिकेट टीम के लिए खेला है। वह मेरे रूम मेट थे। मैंने चेतेश्वर पुजारा और इशांत शर्मा के साथ भी खेला है।' तो आगे क्या हुआ?

वे दाएं हाथ के बल्लेबाज और फ़ास्ट-मीडियम गेंदबाज थे। 2006 में कोहनी में चोट लग गई। एक तेज गेंदबाज और चोट लगी दाहिने हाथ में- क्रिकेट रुक गई पर तब लगा था कि कुछ दिन के इलाज से ठीक हो जाएंगे। पहले भारत में इलाज कराया पर कोई ख़ास फायदा नहीं हुआ। इसी इलाज की चाह ने ऑस्ट्रेलिया जाने पर मजबूर कर दिया। उन दिनों बीसीसीआई की किसी भी स्कीम में अंडर 19 क्रिकेटर के ख़ास इलाज के लिए कोई तरीका नहीं

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

था। हार्डी ने अपना रास्ता खुद ढूंढा- स्टूडेंट वीजा लिया और ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए। इरादा यही था कि अगर इलाज कामयाब रहा तो भारत वापस लौट आएंगे और फिर से क्रिकेट शुरू हो जाएगी।

वहां 11 महीने तक रहे। ध्यान पढ़ाई में नहीं, इलाज में था। कई डॉक्टरों से मिले लेकिन कुछ नहीं हुआ। जो पैसा ले गए थे वह भी खत्म हुआ। नतीजा- टैक्सी चलाने लगे। 2009 में भारत लौट आए और तब संयोग से श्रीलंकाई टीम के एक फिजियो से मिले। उनके साथ ट्रेनिंग से फायदा हुआ और रणजी ट्रॉफी खेलने लगे। तब फिर से वही चोट लग गई और इससे डिप्रेशन में आ गए- हफ़्तों अपने कमरे से बाहर नहीं निकले। इस से अपने दूसरे शौक सिंगिंग पर ज्यादा ध्यान देने लगे। क्रिकेट धीरे-धीरे बैक फुट पर आ गई। 2011 में अपना पहला एल्बम रिलीज़ किया जिसका नाम था दिस इज़ हार्डी संधू।

यहां से नए नाम से मशहूरी हुई और क्रिकेटर हरदविंदर सिंह पीछे रह गया। तब भी कामयाबी आसानी से नहीं मिली- एल्बम और उसका टाइटल ट्रैक टकीला शॉट कुछ ख़ास नहीं चले लेकिन 2013 में, सोच नाम का एक सिंगल हिट हो गया। साथ में एक्टर बन गए- 2014 में, पंजाबी फ़िल्म यारां दा कैचअप से शुरुआत हुई जिसने '83' के ज़रिए बॉलीवुड में पहुंचा दिया। आज भी वे क्रिकेट को मिस करते हैं। अंडर 19 टीम में खेलते हुए वर्ल्ड कप टीम में चुने जाने के बहुत करीब थे। बड़ी निराशा हुई थी जब ये

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

पता चला कि सेलेक्शन नहीं हुआ। इस एक फैसले ने उनके भारत के लिए सीनियर इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के इरादे को बड़ा झटका दिया। तब टीम कोच वेंकटेश प्रसाद थे।

एक किस्सा : भारत की अंडर-19 टीम 2007 में श्रीलंका टूर से पहले प्रैक्टिस कर रही थी। वहां संधू का पहले मैच में प्रदर्शन- 10 ओवर, 3 मेडन और 5 विकेट लिए जिनमे रोहित शर्मा को आउट करना शामिल था। चेतेश्वर पुजारा और रवींद्र जडेजा को भी आउट किया। इस प्रैक्टिस कैंप की एक स्टोरी वे भूलते नहीं। तीसरे दिन संधू की बल्लेबाजी की बारी आई। उसके लिए उन्होंने राहुल शर्मा (भारत और पंजाब के लिए खेले स्पिनर) से बैट मांगा पर उन्होंने सुना नहीं। इस पर, राहुल की ओर वेंकी के नाम से चिल्लाए (ये राहुल का निकनेम था)। टीम कोच वेंकटेश प्रसाद भी सामने ही बैठे थे (वे भी वेंकी के नाम से जाने जाते थे)- राहुल ने तो तब भी नहीं सुना पर वेंकटेश प्रसाद ने सुन लिया। संधू ये मानते हैं कि इन कुछ सेकेंड ने उनके क्रिकेट करियर की कहानी लिख दी। संधु को लगता है वे जिस तरह से चिल्लाए, उस से वेंकटेश को लगा कि उन्हें गलत तरह से बुला रहे हैं। टीम चुनी गई तो उनका नाम उसमें नहीं था।

वे तो मानते हैं कि आईपीएल में भी खेल सकते थे- शायद चर्चा में न होने का नुकसान हुआ। मजेदार बात ये है कि हार्डी संधू जब बेंगलुरु के नेशनल कैंप में थे तो तेज गेंदबाजी की कोचिंग देने मदन लाल भी आए थे और बाद में फिल्म में उन्हीं का रोल किया। ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

मनीष

क्रिकेट में क्या होता है 'डक', 'गोल्डन डक', 'डायमंड डक' और 'प्लेटिनम डक' का असल मतलब, जानिए

क्रिकेट में आउट होने के इन 11 तरीकों में से 3 टर्म्स ऐसे भी हैं जो बल्लेबाज़ के आउट होने को दर्शाते हैं, जिन्हें `डक', `गोल्डन डक' और `डायमंड डक' के नाम से जाना जाता है.

हम भारतीयों की रगों में क्रिकेट खून की तरह दौड़ता है. हमें किसी चीज़ का ज्ञान हो या न हो, लेकिन भारत में हर कोई खुद को क्रिकेट का एक्सपर्ट मानता है. विराट कोहली को कौन सा शॉट कब और कैसे खेलना चाहिए, इसके एक्सपर्ट भी आपको गली-मोहल्लों में भतेरे मिल जाएंगे. क्रिकेट मैच को आंखों से देखना और इस गेम की समझ रखने में ज़मीन आसमान का अंतर है. अगर हम क्रिकेट के इन मोहल्ला एक्सपर्ट से पूछ लें कि क्रिकेट में एक बैट्समैन कितने तरीके से आउट हो सकता है तो ये अपनी बगलें झांकने लगेंगे. अगर आप भी खुद को 'क्रिकेट का कीड़ा' समझते हैं और आपके पास भी इस सवाल का जवाब नहीं होगा. बता दें कि क्रिकेट में एक बल्लेबाज़ 11 तरीकों से आउट हो सकता है. इनमें Bowled, Caught Out, LBW, Run Out, Stumped, Hit-Wicket, Retired Out, Obstructing the field, Hit the ball twice, Handled the ball और Timed Out शामिल हैं.

क्रिकेट में आउट होने के इन 11 तरीकों में से 3 टर्म्स ऐसे भी हैं जो बल्लेबाज़ के आउट होने को दर्शाते हैं, जिन्हें 'डक', 'गोल्डन डक' और 'डायमंड डक' के नाम से जाना जाता है. क्रिकेट मैच के दौरान चौके-छक्कों का आनंद लेने के अलावा अगर कभी इंग्लिश कॉमेंट्री सुनी हो, तो इस दौरान आपने ये तीन टर्म्स ज़रूर सुने होंगे. आपको शायद ही इनके बारे में कोई जानकारी हो. इसीलिए आज हम आपको क्रिकेट से जुड़े 'डक', 'गोल्डन डक' और 'डायमंड डक' का असल मतलब बताने जा रहे हैं.

किसी भी बल्लेबाज़ के लिए खाता खोले बिना आउट होना बुरा अनुभव होता है. क्रिकेट में आम तौर पर इसके लिए जिस शब्द का इस्तेमाल किया जाता है वो है 'डक'. इस शब्द की उत्पत्ति डक यानी बत्तख के अंडे से हुई है. बत्तख के अंडे का आकार 0 की तरह होता है और इसी वजह से इसे 'डक' कहा जाता है. लेकिन इसके पीछे एक अनोखी कहानी भी है. दरअसल, 17 जुलाई, 1866 को जब प्रिंस ऑफ़ वेल्स बिना कोई रन बनाए आउट होकर पविलियन लौटे तो एक अखबार ने अगले दिन शीर्षक दिया कि प्रिंस बत्तख के अंडे पर बैठकर पविलियन लौटे. इसके पीछे वजह यही थी कि 0 का आकार बत्तख के अंडे के

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

जैसा था. इसके बाद से शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज़ों के लिए डक का इस्तेमाल किया जाने लगा.

चलिए जानते हैं क्रिकेट की दुनिया में 'डक', 'सिल्वर डक', ब्रॉन्ज डक', 'गोल्डन डक', 'डायमंड डक' और 'प्लेटिनम डक' किसे कहा जाता है-

1- डक

आपने अक्सर इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के मैचों में देखा होगा कि जब कोई बल्लेबाज़ शून्य पर आउट होता है तो टेलीविज़न स्क्रीन पर उसके नाम के पीछे शून्य की जगह बतक (Duck) का एनिमेशन बना होता है. इसका मतलब बल्लेबाज़ का बिना खता खोले आउट होना है. ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में शून्य को 'डक' भी कहा जाता है.

2- सिल्वर डक और ब्रॉन्ज डक

वर्ल्ड क्रिकेट में 'सिल्वर डक' और 'ब्रॉन्ज डक' भी टर्मिनोलॉजी का हिस्सा हैं. टेस्ट मैच की पारी की दूसरी गेंद पर आउट होना 'सिल्वर डक' और तीसरी गेंद पर आउट होना 'ब्रॉन्ज डक' कहा जाता है, हालांकि, ये ज्यादा पॉपुलर नहीं हैं.

3- गोल्डन डक

क्रिकेट कमेंट्री के दौरान आपने अक्सर सुना कि फ़लां खिलाड़ी को 'गोल्डन डक' पर पवेलियन लौटना पड़ेगा, जैसा शब्द सुना होगा. किसी बल्लेबाज़ का पहली गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो जाना 'गोल्डन डक' कहा जाता है. पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपने वनडे डेब्यू में बांग्लादेश के ख़िलाफ़ 'गोल्डन डक' का शिकार हुए थे.

4- डायमंड डक

क्रिकेट में 'डायमंड डक' की परिभाषा 'डक', 'सिल्वर डक', ब्रॉन्ज डक और 'गोल्डन डक' से थोड़ा अलग होती है.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

इसमें जब नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज़ बिना किसी गेंद का सामना किए रन लेने के चक्कर में शून्य पर रन आउट हो जाता है तो उसे 'डायमंड डक' कहा जाता है.

5- प्लेटिनम डक/रॉयल डक

क्रिकेट में प्लेटिनम डक/रॉयल डक का मतलब है जब कोई बल्लेबाज़ मैच या पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो जाए तो उसे आम तौर पर 'प्लेटिनम या रॉयल डक आउट' कहा जाता है.

6- बॉम्बे डक

इंटरनेशनल क्रिकेट में पूर्व भारतीय तेज़ गेंदबाज़ अजीत अगरकर के लिए 'बॉम्बे डक' टर्म का इस्तेमाल किया गया था. जब वो ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ लगातार 5 पारियों में खाता खोले बिना आउट हो गए थे.

क्रिकेट में 'डक', 'सिल्वर डक', 'ब्रॉन्ज डक', 'गोल्डन डक', 'डायमंड डक', 'प्लेटिनम डक' और 'बॉम्बे डक' के अलावा शून्य पर आउट होने पर 'पेयर या किंग पेयर' जैसे टर्म इस्तेमाल होते हैं.–

पेयर या किंग पेयर

टेस्ट क्रिकेट में जब कोई बल्लेबाज़ दोनों पारियों में बिना कोई रन बनाए आउट हो जाए तो उसे 'पेयर' कहा जाता है और जब कोई बल्लेबाज़ टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अपनी पहली ही गेंद पर आउट हो जाए तो उसे 'किंग पेयर' कहते हैं.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

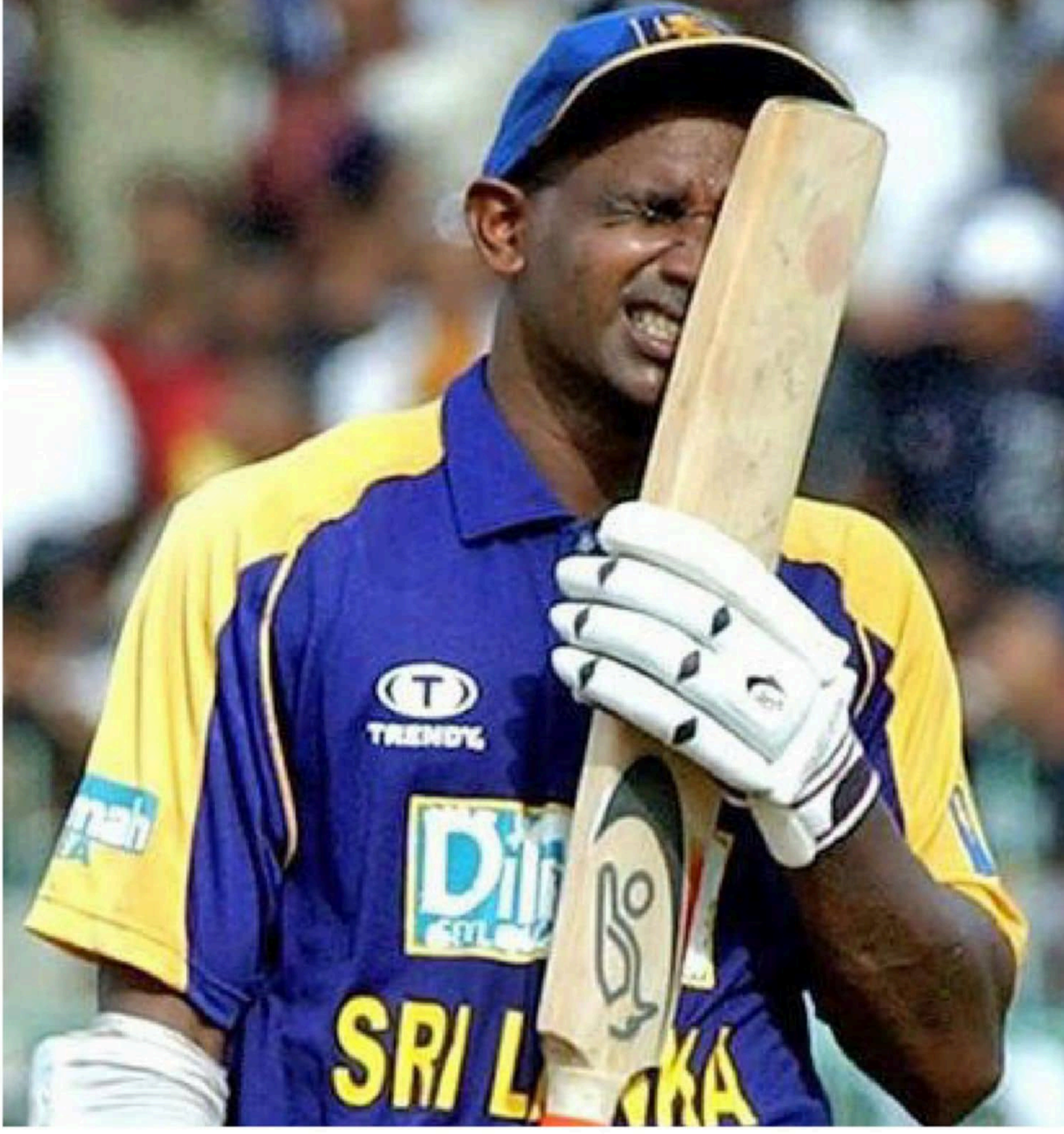

क्रिकेट का पहला पहला 'डक'

इंटरनेशनल क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के नेड ग्रेगोरी शून्य पर आउट होने वाले पहले क्रिकेटर थे. इस बल्लेबाज़ ने अपन पहले इंटरनेशनल टेस्ट मैच की पहली पारी में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ शून्य पर आउट होकर नाम रिकॉर्ड बुक में अपना दर्ज करवाया.

वर्ल्ड क्रिकेट का सबसे मशहूर 'डक'

वर्ल्ड क्रिकेट का सबसे मशहूर 'डक' सर डॉन ब्रैडमैन का अपनी आख़िरी टेस्ट पारी में शून्य पर आउट होना था. इस 'डक' की वजह से ही टेस्ट क्रिकेट में उनका बल्लेबाज़ी औसत 99.94 का रहा था. अगर ब्रैडमैन उस पारी में सिर्फ़ 4 रन भी बना लेते तो उनका टेस्ट औसत 100 का होता.

वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे ज़्यादा बार 'डक' पर आउट

क्रिकेट के सभी फॉर्मेट को मिलाकर सबसे ज़्यादा बार 'शून्य यानी डक' पर आउट होने का रिकॉर्ड श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है. वो अपने क्रिकेट करियर के 495 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 328 पारियों में कुल 59 बार शून्य पर आउट हुए हैं. इसके बाद वेस्ट इंडीज के तेज गेंदबाज़ कॉर्टनी वॉल्श का नंबर आता है जो 264 पारियों में कुल 54 बार डक पर आउट हुए हैं. भारत के लिए ये रिकॉर्ड ज़हीर ख़ान के नाम है जो 309 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 232 पारियों में कुल 44 बार डक पर आउट हुए हैं. ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

अंकित

LED स्टंप्स कैसे काम करते हैं? जानिए सब कुछ

जिस तरह से क्रिकेट के मैदान में दोनों छोर पर बल्लेबाज होते हैं, वैसे ही दोनों छोर पर 3-3 स्टंप गड़े हुए रहते हैं। आधुनिक क्रिकेट में स्टंप के बिना ये खेल संभव नहीं है।

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

क्रिकेट के खेल में जिस तरह से गेंद और बल्ले की अहमियत होती है, उतना ही स्टंप्स का भी महत्व है। क्रिकेट फील्ड पर स्टंप्स के बिना किसी मैच की उम्मीद नहीं की जा सकती है। जिस तरह से क्रिकेट के मैदान में दोनों छोर पर बल्लेबाज होते हैं, वैसे ही दोनों छोर पर 3-3 स्टंप गड़े हुए रहते हैं। आधुनिक क्रिकेट में स्टंप के बिना ये खेल संभव नहीं है। आज के क्रिकेट में स्टंप का रंग-रूप और तकनीक सब कुछ बदल गया है और अत्याधुनिक तकनीक से लेस एलईडी स्टंप का यूज किया जाता है।

हम आपको इस स्पेशल आर्टिकल में बताएंगे एलईडी स्टंप कब अस्तित्व में आए और ये स्टंप कैसे काम करते हैं। लेकिन सबसे पहले हम स्टंप की कहानी पर एक नजर डाल देते हैं।

शुरुआत में होते थे 2 स्टंप, फिर कैसे हुई तीसरे स्टंप की जरूरत महसूस?

क्रिकेट की शुरुआत 16वीं सदी से मानी जाती है। तब इंग्लैंड में भेड़ों को चराने वाले लोग वहां पर टाइम पास करने के लिए क्रिकेट खेला करते थे। उस वक्त तो स्टंप होने के साक्ष्य नहीं मिलते हैं, लेकिन 17वीं सदी आते-आते क्रिकेट में स्टंप का आगमन हो गया। शुरुआत में क्रिकेट में 2 स्टंप रहते थे लंबे समय तक 2 स्टंप के साथ खेल खेला जाता रहा। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि तीसरे स्टंप की जरूरत महसूस की गई और ये कब अस्तित्व में आया।

साल 1775 में तीसरे स्टंप को लाया गया अस्तित्व में

शुरुआत में जब 2 स्टंप के साथ क्रिकेट के खेल को खेला जाता था तो दोनों ही स्टंप के बीच के भाग में बड़ा सा गैप रहता था। तब बीच में से गेंद

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

निकल जाए तो आउट करार दिया जाता था। फिर धीरे-धीरे आउट-नॉट आउट को लेकर विवाद होने की वजह से साल 1775 में तीसरे स्टंप के इजाद होने की बात कही जाती है। इसके बाद से ही क्रिकेट में 3 स्टंप के 2 सेट दोनों छोर पर इस्तेमाल किए जाते हैं। स्टंप की लंबाई और चौड़ाई में वक्त-वक्त पर बदलाव होते रहे, लेकिन तब से ही 3-3 स्टंप से ही क्रिकेट खेला जाता रहा है।

स्टंप के अलग-अलग स्वरूप, कभी लकड़ी तो कभी प्लास्टिक के स्टंप

क्रिकेट के खेल में कई तरह से स्टंप का यूज हो चुका है। जिसमें शुरुआत में लकड़ी के स्टंप होते थे, तो इसके बाद अगल-अलग धातु के स्टंप भी अस्तित्व में आए। साथ ही प्लास्टिक के स्टंप भी रहे। क्रिकेट का खेल आगे बढ़ता गया। फिर से लकड़ी के स्टंप ने अपनी जगह बना ली। वैसे तो सालों से लकड़ी के ही स्टंप यूज होते हैं, लेकिन अब धीरे-धीरे तकनीक के आगे बढ़ने के साथ ही एलईडी स्टंप आ गए हैं, जिसकी बेल्स से लेकर स्टंप सबकुछ एलईडी हो चुका है।

कब हुई एलईडी स्टंप की एंट्री

क्रिकेट के खेल में वक्त के साथ बहुत कुछ बदला है, इसी तरह से इस खेल के आकर्षण को बढ़ाने और दर्शकों को रोमांचित करने के लिए एलईडी स्टंप की एंट्री हुई। सबसे पहले एलईडी स्टंप को साल 2011-12 के ऑस्ट्रेलिया में होने वाले बिग-बैश लीग में देखा गया। क्रिकेट स्टंप में इस नई तकनीक को लाने का श्रेय क्रिकेट

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

ऑस्ट्रेलिया को जाता है। उन्होंने इस खास तकनीक से क्रिकेट के खेल को देखने वाले फैंस के मन में अनोखा अहसास कराया। बिग-बैश लीग को देखते हुए आईसीसी ने साल 2012 में बांग्लादेश में खेले गए आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में एलईडी स्टंप का इस्तेमाल किया, जिससे दर्शकों में रोमांच का मजा दोगुना हो गया। इसके बाद से अब इंटरनेशनल क्रिकेट में एलईडी स्टंप का ही प्रयोग होने लगा है। अब सबसे बड़ा सवाल कि एलईडी स्टंप की तकनीक कैसे काम करती है और क्या है इसके फायदे। जिसमें सबसे पहले बात करते हैं इस स्टंप के काम करने की प्रक्रिया की। तो जब एक बल्लेबाज बोल्ड होता है, या स्टंप होता है या रन आउट होता है। यानी स्टंप पर जब गेंद लगती है तो बेल्स और स्टंप में लाल रंग की लाइट्स ब्लिंग होती रहती है। जिसमें बल्लेबाज के बोल्ड, स्टंप होने से लेकर रन आउट होने पर पर बहुत ही अनोखा नजारा देखने को मिलता है।

कैसे काम करता है एलईडी स्टंप, क्या जानते हैं आप

एलईडी स्टंप के काम करने के सिस्टम को जिंग विकेट सिस्टम कहते हैं। जिसमें स्टंप और बेल्स में लाल रंग की एलईडी लगी होती है और ये सेंसर के साथ काम करता है। सेंसर लगा होने से गेंद विकेट पर लगे या फिर जब भी विकेट पर कुछ ही हलचल होती है तो स्टंप और उसकी बेल्स 1/1000 हिस्से पर काम करता है। इन स्टंप्स और बेल्स में कम वोल्टेज की बैटरी लगी होती है और इसी बैटरी की वजह से ये काम करता है। ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

विकास

क्रिकेट की 6 तकनीक, जिनका नहीं होता किसी और खेल में इस्तेमाल

क्रिकेट का खेल सालों पुराना है। इसका सफर करीब 150 साल तक पहुंचने वाला है। इस दौरान इस खेल में हमने समय-समय पर अलग-अलग तकनीक को देखा है। टेक्नोलॉजी ने इस खेल का बहुत ही रोचक बनाने के साथ ही फेयर बनाया है।

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

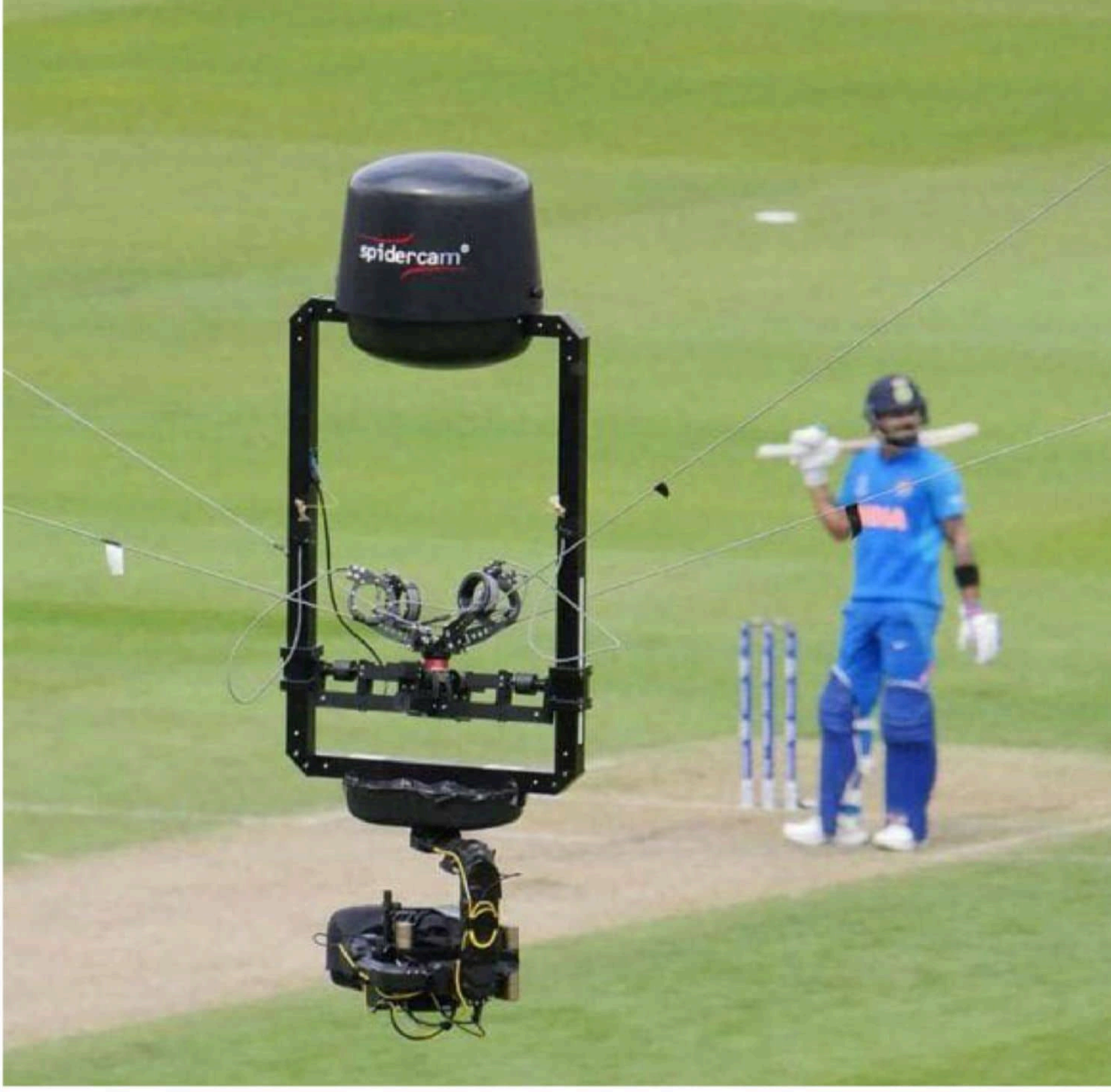

टेक्नोलॉजी ने आज के दौर को पूरी तरह से बदल दिया है। जीवन के हर कदम पर एक नई टेक्नोलॉजी ने कदम रख दिया है। जहां जीवन जीने की शैली से लेकर बच्चों की पढ़ाई, लोगों की नौकरी के साथ ही खेल की दुनिया में भी टेक्नोलॉजी ने एक नया आयाम स्थापित किया है। खेल की दुनिया में सबसे रोचक खेलों में से एक क्रिकेट के खेल में तकनीक का बहुत बड़ा रोल रहा है।

क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली 6 तकनीक जो बाकी खेलों में नहीं होती

क्रिकेट का खेल सालों पुराना है। इसका सफर करीब 150 साल तक पहुंचने वाला है। इस दौरान इस खेल में हमने समय-समय पर अलग-अलग तकनीक को देखा है। टेक्नोलॉजी ने इस खेल का बहुत ही रोचक बनाने के साथ ही फेयर बनाया है। कई ऐसी टेक्नोलॉजी हैं, जिससे अंपायर्स का काम आसान किया है, तो कुछ ऐसी टेक्नोलॉजी हैं, जिससे इस खेल में पारदर्शिता देखी गई है। अपने अब तक के सफर में क्रिकेट में नई-नई टेक्नोलॉजी आती रही और कुछ तकनीक खत्म भी की गई। क्रिकेट की इन तकनीक में से चलिए आज हम कुछ खास तकनीक पर बात करते हैं, हम उन 6 तकनीक पर नजर डालते हैं, जो क्रिकेट के खेल में जरूर हैं, लेकिन बाकी किसी और खेल में इन तकनीक का उपयोग नहीं किया जाता है।

स्मार्ट बेल्स (Smart Bails)

क्रिकेट का खेल समय के साथ ही बहुत ही आगे निकल गया है। क्योंकि

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

अब इसमें ऐसी-ऐसी टेक्नोलॉजी आ गई है, जिससे काम आसान भी हुआ है और खेल रोचक भी हुआ है। इन टेक्नोलॉजी में एक है स्मार्ट बेल्स या एलईडी बेल्स... इसमें ये होता है कि जब गेंद स्टंप से टकराती है तो बेल्स से लाइट्स ब्लिंग होती है। इसमें बल्लेबाज के स्टंप, रन आउट के साथ ही बोल्ड होने पर लाइट जलती है, तो अंपायर का काम आसान हो जाता है।

एज डिटेक्शन (Edge Detection)

क्रिकेट में ऐसा बहुत सी बार देखा जाता रहा है कि जब किसी बल्लेबाज के बल्ले से गेंद छूकर निकल जाती है, लेकिन अंपायर्स को भनक तक नहीं लग पाती है। बल्ले का महीन सा स्पर्श होते हुए गेंद फील्डर के हाथ में चली जाती है, जिससे अंपायर को आउट-नॉट आउट देने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसी में सबसे ज्यादा एज डिटेक्शन की टेक्नोलॉजी मददगार रही है। इस टेक्नोलॉजी से ये पता चलता है कि गेंद बल्ले से छूकर निकली है या नहीं, जहां एक साउंड पकड़ा जाता है। इस टेक्नोलॉजी से अंपायर्स के कई बार फैसले पलटे हैं और इसने खेल पर बड़ा प्रभाव डाला है।

बर्ड आई व्यू (Bird's Eye View)

क्रिकेट में कैमरे की तकनीक आज के दौर में बहुत ही आगे जा चुकी है, ऐसी तकनीक जिसे बाकी खेलों में कभी नहीं देखा जाता है। इसमें एक है बर्ड आई व्यू या स्पाइडर कैम, जिसमें एक कैमरा स्पाइडर की तरह इधर-उधर हवा में लटका नजर आता है। ये कैमरा बहुत पतले तार के सहारे मैदान के हर एक एंगल को अपने में कैद कर लेता है। ये कैमरा अलग-अलग डाइमेंशन में पूरे ग्राउंड में घूमता रहता है। ऐसे में दर्शकों को नए-नए एंगल से मैच देखने को मिल जाता है। जिससे इस खेल में रोचकता बढ़ी है।

स्पीड गन (Speed Gun)

एक गेंदबाज गेंद करता है तो वो कितनी गति या स्पीड से गेंद डाल रहा

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

है, ये हमारे टीवी या मोबाइल स्क्रीन पर दिखाया जाता है। आखिर गेंदबाज की गेंद की स्पीड कितनी है, ये तुरंत ही कैसे पता लगा दिया जाता है? ये सवाल हम सबके मन में होता है, लेकिन इसके पीछे भी एक तकनीक काम करती है। इस तकनीक का नाम स्पीड गन है। ये तकनीक गेंदबाज की गेंद की गति को ध्यान में रखती है और तुरंत ही स्पीड गन के माध्यम से गेंद की स्पीड का पता लगाया जा सकता है।

फ्रंट फुट तकनीक (Front Foot Technology)

एक गेंदबाज, जब गेंद करता है तो वो नॉन स्ट्राइक एंड के क्रीज की लाइन के अंदर से ही गेंद डालना होता है, लेकिन ऐसा बहुत सी बार होता कि गेंदबाज को लाइन का ध्यान नहीं रहता है और पैर आगे निकल जाता है। वैसे तो इसके लिए अंपायर्स की पैनी नजर रहती है, जो पैर बाहर निकलते ही नो बॉल करार दे देते हैं। लेकिन अंपायर भी एक इंसान है, जो कभी-कभी देखना मिस कर देता है। इसके लिए फ्रंट फुट तकनीक का उपयोग किया जाता है। कुछ साल पहले तक फ्रंट फुट तकनीक को हर एक विकेट में यूज किया जाता था, लेकिन आज के दौर में हर गेंद का फ्रंट फुट देखा जाता है। इससे बल्लेबाज कभी-कभी नो बॉल पर आउट होने से बच जाता है।

स्निकोमीटर (Snicko-meter)

एक बल्लेबाज के बल्ले से बहुत सी बार गेंद लगती है या नहीं इसका पता लगाने का काम स्निकोमीटर की तकनीक से किया जाता है। 1999 में सामने आई स्निकोमीटर एक वो टेक्नोलॉजी है, जिसे ग्राफिक्स के रूप में दिखाया जाता है कि गेंद बल्ले से टकराई है या नहीं। इससे बल्ले पर निशान लग जाता है। जब गेंद बल्ले से ना टकराव हो तो बल्ले पर निशान नहीं आता है। इस टेक्नोलॉजी से विकेट के पीछे कैच आउट के रूप में अंपायर्स को काफी मदद मिलती है। ●●

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

पहचान कौन ?

जीतिए ड्यूक की टी-शर्ट

इस प्रतियोगिता के अंतर्गत आपको खिलाड़ी का चेहरा पहचानना है। आपकी सहूलियत के लिए हम कुछ विकल्प देंगे। सही जवाब देने वाले एक भाग्यशाली विजेताओं को मिलेगी आकर्षक ड्यूक की टी-शर्ट। आपको अपने नाम, उम्र, व्यवसाय, पता, टेलीफोन नं. और ईमेल के साथ अपना जवाब पोस्टकार्ड पर लिखकर हमारे पते पर 25 सितम्बर, 2024 तक भेजना है।

विकल्प

1. जसप्रीत बुमराह ☐
2. मोहम्मद सिराज ☐
3. मुकेश कुमार ☐
4. आवेश खान ☐

पिछले माह का सही जवाब है
जसप्रीत बुमराह
भाग्यशाली विजेता हैं
निशांत
(गुरुग्राम)

नियम व शर्तें

- एक से अधिक सही जवाब देने पर विजेता का चयन लकी ड्रा द्वारा किया जाएगा।
- पूर्णतः भरा हुआ कूपन ही मान्य होगा।
- विजेता का नाम क्रिकेट टुडे के आगामी अंक में प्रकाशित किया जाएगा।
- विजेता को मिलने वाला पुरस्कार दिखाए गए चित्र से अलग हो सकता है।

हमारा पता: डायमंड क्रिकेट टुडे, X-30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-110020

भाग्यशाली विजेता हैं
वियान
(लखनऊ)

कूपन को भरकर भेजें।

नाम:.....
व्यवसाय:.....
उम्र:.....
पता:.....
.....
टेलीफोन:.....
ईमेल:.....

हमारा पता: डायमंड क्रिकेट टुडे, X-30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-110020

जीतिए लिबर्टी वॉलेट

क्रिकेट टुडे प्रश्नोत्तरी

1. भारत और श्रीलंका के बीच वनडे इतिहास में सर्वाधिक रन किसने बनाए हैं?
2. भारत बनाम श्रीलंका ओडीआई हिस्ट्री में सर्वश्रेष्ठ स्कोर किसके नाम है?
3. श्रीलंका–भारत के बीच एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट किसने लिए हैं?
4. श्रीलंका के खिलाफ भारत की तरफ से वनडे में सबसे अधिक शतक किसने जड़े हैं?
5. भारत के विरुद्ध एकदिवसीय क्रिकेट में श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा विकेट किसने चटकाए हैं?

नियम व शर्तें

- **डाक से भेजे गए जवाबों की अंतिम तिथि है 25 सितम्बर, 2024।**
- **एक से अधिक सही जवाब होने पर विजेताओं का चयन लकी ड्रॉ द्वारा किया जाएगा।**
- **विजेता का नाम क्रिकेट टुडे के आगामी अंक में प्रकाशित किया जाएगा।**
- **पूर्णतः भरा हुआ कूपन ही मान्य होगा।**
- **विजेता को मिलने वाला पुरस्कार दिखाए गए चित्र से अलग हो सकता है।**

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

आपके कार इंजन का सुरक्षा कवच

सर्वो® फ्यूचुरा-जी+

2% इंधन की बचत*

- पेट्रोल और डीजल कार/एसयूवी के लिए सिंथेटिक इंजन ऑयल
- सिलेंडर लाइनर और कैम को घिसाई से सुरक्षा दे
- SAE 5W-30, API SN एवं ACEA A5/B5 मानकों के अनुरूप

IndianOil SERVO®
WORLD-CLASS LUBRICANTS

*M111 फ्यूल इकोनॉमी टेस्ट के अनुसार

facebook.com/IndianOilCorpLimited | twitter.com/IndianOilcl | www.servo.in

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

SKODA

Explore Beautiful Moments With The Bold New Kushaq

GLOBAL NCAP

★★★★★

Complimentary 4 YEAR ASSURANCE
Lowest Maintenance Cost^

Best-in-Class TSI
Powerful TSI Engine

First-in-Segment
Electrically Adjustable & Ventilated Front Seats

New
25.4cm Škoda Infotainment with Subwoofer

Corporate Benefits up to ₹20 000**

Exchange Benefits up to ₹20 000**

250 Touchpoints Across India

Toll-free 1800 2700 260
www.skoda-auto.co.in

*Skoda T&C Apply. Delivery of the car is subject to stock availability. Specifications given differ from model to model. **Corporate/Loyalty/Exchange/Special offers cannot be clubbed together. Offers applicable on select variants. Offers may vary from model and variant to variant market wise. Warranty - standard 4 Year along with an option to extend to 5th and 6th Year. ^Lowest maintenance cost is calculated as per 4 Year Maintenance Package. Škoda Maintenance Package - 4 Year/60 000 km. 4 Year periodic maintenance services at an interval of 15 000 km or 1 Year. Car is created with the help of computer graphics solely for the purpose of advertising. All disputes are subject to Mumbai courts only.

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

All Magazine Hindi English international magazine

Journalism (Indian)
India Today Frontline Open
India Legal Organiser The Caravan
Tehelka Economic and Political Weekly The Caravan

Journalism (International)

Time The Week The New Yorker
The Atlantic Newsweek New York Magazine Foreign Affairs National Review
Money & Business

Forbes Harvard Business Review
Bloomberg Businessweek Business India Entrepreneur inc ET Wealth
Monyweek CEO Magazine
Barron's Fortune International Financing Review Business Today
Outlook Money Shares Value Research Smart Investment
Dalal Street Investment Journal

Science, History & Environment

National Geographic National Geographic Kids New Scientist
Down to Earth Scientific American
Popular Science Astronomy
Smithsonian Net Geo History
Science Philosophy Now BBC Earth
BBC Wildlife BBC Science Focus
BBC History

Literature, Health & General
Interest

The Writer Publishers Weekly TLS
prevention OM Yoga Reader's Digest
The New York Review of Books
NYT Book Review Harper's Magazine The Critic Men's Health
Mens Fitness Women's Health
Womens Fitness Better Photography
Architectural Digest Writing Magazine Pratiyogita Darpan

Sport

Cricket Today The Cricketer
Wisden Cricket Monthly
Sports Illustrated World Soccer Tennis Sportstar FourFourTwo
Auto & Moto

Autocar India UK BBC TopGear
Bike Car

Tech

Wired PC Magazine Maximum PC
PCWorld Techlife News T3 uk India
DataQuest Computeractive
Popular Mechanics PC Gamer
Macworld Linux Format
MIT Technology Review

Fashion & Travel

Elle Vogue Cosmopolitan
Rolling Stone Variety Filmfare
GQ Esquire National Geographic Traveler Condé Nast Traveler
Outlook Traveller Harper's Bazaar
Empire

Comics
Tinkle Indie Comics Image Comics
DC (Assorted) Marvel (Assorted)
Indie Comics Champak

Home & Food

Real Simple Better Homes and Gardens Cosmopolitan Home
Elle Decor Architectural Digest
Vogue Living Good Housekeeping
The Guardian feast The Observer Food Monthly Nat Geographic Traveller Food Food Network

Other Indian Magazines
G B The Economist
Mutual Fund Insight Wealth insight
Electronics For You Open Source For You Mathematics Today Biology Today Chemistry Today
Physics For You Woman Fitness
Grazia India Filmfare India
Rolling Stone India Outlook
Outlook Money Entertainment Updates Outlook Business
Open Investors India The Week India
Indian Management Fortune India
Scientfic India India Today Brunch
Marwar India Champak Travel + Liesure India Business Traveller
Smart investment Forbes india
ET Wealth Vogue india Yojana
Kurukshetra Evo INDIA New India Samachar Small Enterprise India
Voice & Data

हिन्दी मैगजीन

समय पत्रिका साधनापथ गृहलक्ष्मी उदय इंडिया निरोगधाम मॉडर्न खेती इंडिया टुडे देवपुत्र
क्रिकेट टुडे गृहशोभा अनोखी हिन्दुस्तान मुक्ता सरिता चंपक प्रतियोगिता दर्पण सक्सेस मिरर
सामान्य ज्ञान दर्पण फार्म एवं फूड मनोहर कहानियां सत्यकथा सरस सलिल स्वतंत्र वार्ता लाजवाब आउटलुक सच्ची शिक्षा वनिता
मायापुरी रूपायन उजाला ऋषि प्रसाद जोश रोजगार समाचार जोश करेंट अफेयर्स जोश सामान्य ज्ञान जोश बैंकिंग और एसएससी
इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स प्रकृति मैल
राजस्थान रोजगार संदेश राजस्थान सूजस सखी जागरण अहा! जिंदगी बाल भास्कर योजना कुरूक्षेत्र
More.......

Send me message Telegram

Ya WhatsApp

M......8890050582

Click here magazines Telegram group

https://t.me/Magazines_8890050582

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)

👇📚 **ENGLISH MAGAZINE** 📚👇

👉 **GET ALL FAST UPDATE OF ALL HINDI ENGLISH MAGAZINE JOIN OUR TELEGRAM CHANNEL.**

Frontline,SportStar,Business India,Banking Finance,Cricket Today,Mutual Fund Insight,Wealth insight,Indian Economy & Market,The Insurance Times,Electronics For You,Open Source For You,Mathematics Today,Biology Today,Chemistry Today,Physics For You,Business Today,Woman Fitness India,Grazia India,Filmfare India,Femina India,India Legal,Rolling Stone India,Bombay Filmfame,Outlook,Outlook Money,Careers 360,Outlook Traveller,India Strategic,Entertainment Updates,Outlook Business,Open,Investors India,Law Teller,Global Movie,The Week India,Indian Management,Fortune India,Dalal Street Investmemt Journal,Scientfic India,India Today,HT Brunch,Yoga and Total Health,BW BusinessWorld,Leisure India Today,Down To Earth,Pratiyogita Darpan,Marwar India,Champak,Woman's Era,The Caravan,Travel Liesure India,Business Traveller,Rishi Prasad,Smart investment,Economic and political weekly,Forbes india,Health The Week, Josh Government JOBS,Josh Current Affairs,Josh General Knowledge,Electronic For You Express,Josh Banking And SSC,Highlights Genius,Highlights Champ,Global Spa,Bio Spectrum,Uday India,Spice India Today,India Business Journal,Conde Nast Traveller,AD Architectural Digest,Man's world,Smart Photography India,Banking Frontiers,Hashtag,India Book Of Records,ET Wealth,Vogue india,Yojana,Kurukshetra

👇 **JOIN TELEGRAM CHANNEL** 👇
👉 https://t.me/Magazines_8890050582

👇📚**हिन्दी मैगजीन**📚👇

समय पत्रिका,साधना पथ,गृहलक्ष्मी,उदय इंडिया,निरोगधाम,मॉडर्न खेती ,इंडिया टुडे,देवपुत्र,क्रिकेट टुडे,गृहशोभा,अनोखी हिन्दुस्तान,मुक्ता,सरिता,चंपक,प्रतियोगिता दर्पण,सक्सेस मिरर,सामान्य ज्ञान दर्पण,फार्म एवं फूड,मनोहर कहानियां,सत्यकथा,सरस सलिल,स्वतंत्र वार्ता लाजवाब,आउटलुक,सच्ची शिक्षा,वनिता,मायापुरी,इंडिया हेल्थ,रूपायन उजाला,ऋषि प्रसाद,जोश रोजगार समाचार,जोश करेंट अफेयर्स,जोश सामान्य ज्ञान,जोश बैंकिंग और एसएससी,इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,राजस्थान रोजगार संदेश,राजस्थान सूजस,सखी जागरण,अहा! जिंदगी,बाल भास्कर,योजना,कुरूक्षेत्र,हिन्दुस्तान जॉब्स

👇 **JOIN TELEGRAM CHANNEL** 👇
👉 https://t.me/English_Newspaper_Banna

Like other groups, this list is not just written, we will make these magazine available to you with 100% guarantee.

JOIN TELEGRAM CHANNEL
👉 https://t.me/Premium_Newspaper

You will get the updates of all these magazinesfirst in the premium group.

👇 **JOIN BACKUP CHANNEL** 👇
👉 https://t.me/Backup_8890050582

SEARCH ON TELEGRAM TO JOIN PREMIUM GROUP
👉 @Lalit712Bot
Contact 👉 8890050582

🙏

More Newspaper and Magazines Telegram Channel join Search https://t.me/Magazines_8890050582 (@Magazines_8890050582)